दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 111 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, शनिवार, 12 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

प्रधानमंत्री मोदी ने श्री आनंद सर मंदिर परिसर में दर्शन कर सरोवर में पुष्प अर्पित किए

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को श्री आनंदपुर धाम में परम पावन पूजा स्थल महातीर्थ श्री आनंद सर मंदिर परिसर में 4 मंदिरों के दर्शन किए। उन्होंने श्री आनन्द सरोवर में पुष्प अर्पित कर परमपिता से देशवासियों की सुख- समृद्धि और कल्याण की कामना की। प्रधानमंत्री श्री मोदी श्री आनंदपुर धाम स्थित हैलीपेड से सीधे मंदिर परिसर में दर्शन करने पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री मोदी का ग्वालियर से हैलीकॉप्टर द्वारा श्री आनंदपुर धाम आगमन हुआ।

मोती महल में की श्री परमहंस अद्वैत मत के प्रमुख गुरु महाराज से विशेष भेंट

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मोती महल में श्री परमहंस अद्वैत मत परम्परा के प्रमुख गुरु महाराज से शिष्टाचार भेंट की। यह विशेष भेंट आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विषयों पर केंद्रित रही, जिसमें देश की आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने पर पारस्परिक संवाद हुआ। इस विशेष भेंट ने न केवल आध्यात्मिक जगत में उत्साह का संचार किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि देश के नेतृत्व और आध्यात्मिक संस्थाओं के बीच सकारात्मक संवाद सतत रूप से जारी है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री श्री मोदी शुक्रवार को अपराह्न लगभग 3.30 बजे अशोकनगर जिले के श्री आनंदपुर धाम पहुंचे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हेलीपैड पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और खजुराहो सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा भी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों को दी हनुमान जयंती की शुभकामनायें

भोपाल] , एजेंसी | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भगवान श्री हनुमान, शक्ति, भक्ति, साहस, सेवा और समर्पण के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें निष्ठा, अनुशासन और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी अटूट भक्ति और निष्काम सेवा प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा स्रोत है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की है। उन्होंने भगवान हनुमान से सभी के जीवन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और संकल्प की भावना का संचार करने की प्रार्थना की है।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर कांग्रेस के इस दिग्गज नेता ने की मोदी सरकार की तारीफ, कही बड़ी बात

नई दिल्ली, एजेंसी | शिंदे ने भाजपा सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अब गहन जांच करेगी और पीड़ितों को न्याय दिलाएगी। शिंदे ने कहा कि हम भी कोशिश कर रहे थे, और भाजपा सरकार भी उसे भारत वापस लाने की कोशिश कर रही थी।

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के लिए भाजपा सरकार की सराहना करते हुए कहा है कि इस सरकार ने अच्छा काम किया है। एएनआई से बात करते हुए शिंदे ने भाजपा सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अब गहन जांच करेगी और पीड़ितों को न्याय दिलाएगी। शिंदे ने कहा कि हम भी कोशिश कर रहे थे, और भाजपा सरकार भी उसे भारत वापस लाने की कोशिश कर रही थी।

सुशील कुमार शिंदे ने आगे कहा कि अब, हम देखते हैं कि हम यहाँ सफल हो रहे हैं। मुझे लगता है कि एनआईए पूरी तरह से जांच करेगी और पीड़ितों को न्याय दिलाएगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह मोदी है या भारत सरकार... अब जब हम उसे ले आए हैं, तो हमें चुप रहना चाहिए; हमें पूछताछ करनी चाहिए।

उन्नत और समृद्ध रही है प्राचीन भारतीय वास्तुकला : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» राजा भोज द्वारा निर्मित बड़ा तालाब तकनीकी उत्कृष्टता का है श्रेष्ठ उदाहरण

» मध्यप्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे हैं मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र

» मुख्यमंत्री ने वास्तुकारों को मध्यप्रदेश में गतिविधियों के विस्तार के लिए किया आमंत्रित

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीनकाल से ही आर्किटेक्ट्स का विशेष महत्व रहा है। राजा भोज स्वयं बड़े वास्तुकार थे। भोपाल ताल सहित प्राचीन स्थापत्य के कई उदाहरण भोपाल और इसके आसपास विद्यमान है। भोपाल का ताल मूलतः बांध है। एक हजार साल पहले बनी है यह अद्भुत और बेमिसाल संरचना आज भी सामयिक और बड़ी आबादी के लिए उपयोगी है। मितव्ययता और तकनीकी उत्कृष्टता के साथ निर्मित यह संरचना, प्राचीन समृद्ध ज्ञान परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जिस पर आज भी विचार प्रासंगिक है। इस दृष्टि से भोपाल में हो रहा आर्किटेक्ट्स सम्मेलन विशेष महत्व का है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 'द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स' के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'ट्रांसम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वास्तुशिल्प नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए वास्तुकला उत्कृष्टता में विरासत को समाहित करने के लिए डॉ. निधिपति सिंघानिया को भारतीय वास्तुकार संस्थान (आईआईए) फैलोशिप से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और सांसद श्री वी.डी. शर्मा होंगे शामिल

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

» सहकारिता मंत्री श्री सारंग ने की तैयारियों की समीक्षा

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार 13 अप्रैल को रवीन्द्र भवन सभागार में दोपहर 12 बजे से अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत होने वाले राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन होगा। सम्मेलन में सांसद श्री वी.डी. शर्मा विशेष अतिथि होंगे।

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को मंत्रालय में सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में पशुपालन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, सहकारिता, पशुपालन, नगर निगम, पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित हो, इसके लिये अलग-अलग काम के लिये अलग-अलग अधिकारी की ड्यूटी निर्धारित की जाये। साथ ही एक कंट्रोल-रूम स्थापित किया जाये, जिसके लिये एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। उन्होंने बैठक व्यवस्था, पास, निमंत्रण-पत्र, वाहन पार्किंग के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

मंत्री श्री सारंग ने गर्मी की तीव्रता को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को दी गयी जिम्मेदारियों की लिस्टिंग करने को भी कहा। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल टीम और पॉवर बैक-अप रखने के लिये निर्देश दिये।

उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ दिल्ली के लाल किले पर तीन दिवसीय विक्रमोत्सव का करेंगे शुभारंभ

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | महान सम्राट विक्रमादित्य, विक्रम संवत् और देश के गौरवशाली इतिहास में उनके योगदान से देश को अवगत कराने के लिए सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाट्य का मंचन 12 से 14 अप्रैल तक नई दिल्ली के लाल किले में माधवदास पार्क में होगा। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ शाम को 7 बजे 'विक्रमोत्सव' में सांस्कृतिक उत्सव का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नई दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के साथ साथ लाल क़िले पर विक्रमादित्य और अयोध्या, विक्रमादित्य क़ालीन पुरातात्विक मुद्रा मुद्रांक, वृहत्तरभारत के सांस्कृतिक वैभव, मध्यप्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं, प्रदेश में निवेश तथा रोज़गार सृजन के अवसरों में लोकव्यापीकरण के प्रयासों पर केंद्रित प्रदर्शनियाँ भी लगाई जा रही हैं। साथ ही दिल्ली के निवासी फूड कोर्ट में मध्यप्रदेश के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी चख सकेंगे। इस तीन दिवसीय उत्सव में भारतीय इतिहास और संस्कृति के महान नायक के योगदान को जीवंत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में संस्था विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति ने महानाट्य की परिकल्पना को साकार किया है। महानाट्य में विक्रमादित्य के जन्म से लेकर सम्राट बनने तक की सभी गाथाएँ अंकित की गई है।

'मैं मूर्खों को जवाब नहीं देता', आखिर संजय राउत के किस बयान पर भड़के देवेंद्र फडणवीस

• मुंबई, एजेंसी

मुंबई | फडणवीस ने यह बयान तब दिया जब उनसे राणा के भारत प्रत्यर्पण पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया था। राउत के इस बयान पर भी उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई कि बिहार चुनाव के दौरान राणा को फांसी दी जाएगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को शिवसेना सांसद संजय राउत पर 26/11 आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा पर की गई टिप्पणी को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि वह मूर्खों को जवाब नहीं देते। फडणवीस ने यह बयान तब दिया जब उनसे राणा के भारत प्रत्यर्पण पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया था। राउत के इस बयान पर भी उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई कि बिहार चुनाव के दौरान राणा को फांसी दी जाएगी।

फडणवीस ने कहा, 'मैं मूर्खों को जवाब नहीं देता, उन्हें बोलने दो।' राणा के प्रत्यर्पण पर टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि मुंबई हमलों के पीछे का मास्टरमाइंड, जिसने साजिश रची, तहव्वुर राणा को सरकार द्वारा सफलतापूर्वक भारत लाया गया है।' उन्होंने कहा, 'उसे हमारी न्यायिक प्रणाली का सामना करना पड़ेगा। हमारे दिल पर यह बोझ था कि हमने कसाब को फांसी दे दी थी, लेकिन साजिश रचने वाला अभी भी फरार है।

बस से उतरवा दिए गए भगवा झंडे, भड़की बीजेपी, पूछा- क्या ढाका, सीरिया या अफगानिस्तान बन गया है कोलकाता?

पार्टी ने बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राज्य में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती दुश्मनी पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया है और पूछा है कि क्या कोलकाता नया ढाका बन गया है।

• कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता | कोलकाता में लोगों के एक समूह द्वारा बस से भगवा झंडा जबरन उतारे जाने का कथित तौर पर एक वीडियो सामने आने के बाद भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राज्य में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती दुश्मनी पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया है और पूछा है कि क्या कोलकाता नया ढाका बन गया है। वीडियो शेयर करते हुए बीजेपी सांसद सुकांत मजूमदार ने राज्य प्रशासन और पुलिस पर निशाना साधा और उन पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया।

मजूमदार ने एक्स पर लिखा, 'एक खास 'शांतिप्रिय' समुदाय की उन्मादी भीड़ ने एक डरे हुए हिंदू बस ड्राइवर को घेर लिया और उसे अपने वाहन से भगवा झंडा उतारने के लिए मजबूर किया। उसके चेहरे को देखो। वह डरा हुआ है, सहमा हुआ है, अपमानित है।' उन्होंने कहा, 'यह ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में 'धर्मनिरपेक्षता' की झलक है - एक ऐसा राज्य जो अब भय, तुष्टिकरण और दोहरे मानदंडों से सड़ा हुआ है।' पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी इस घटना की निंदा की और इसे हिंदू आस्था पर सीधा हमला बताया।

उन्होंने लिखा, 'स्वामी विवेकानंद की जन्मस्थली कोलकाता से चौंकाने वाले दृश्य! साहस, बलिदान और वीरता के प्रतीक भगवा ध्वज को कट्टरपंथियों की भीड़ ने बस से जबरन उतार दिया।' 'ममता बनर्जी की निगरानी में इस तरह की हरकतें बेकाबू हो रही हैं और पुलिस चुपचाप खड़ी है।' भाजपा नेता दिलीप घोष ने हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, 'यहां आपको हमास, फिलिस्तीन, सीरिया, पाकिस्तान और यहां तक कि आईएसआई के झंडे भी लहराते हुए मिलेंगे, लेकिन रामनवमी के झंडे कारों से उतारे जा रहे हैं। क्या कोलकाता ढाका, सीरिया या अफगानिस्तान बन गया है?'

राज्य भाजपा इकाई द्वारा वीडियो के साथ साझा किए गए एक बयान में पार्टी ने कहा, 'भगवा सिर्फ एक रंग नहीं है-यह भारत की आत्मा है। लेकिन ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में, उस पर भी हमला हो रहा है। ममता, आपके शासन में हिंदू होना कब अपराध हो गया?' भाजपा सांसद खड़गेन मुर्मू ने आरोप लगाया कि बनर्जी 'हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ भड़काकर और उन्हें सड़कों पर लाकर पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलने की कोशिश कर रही हैं।'

वक्फ (संशेधन) विधेयक पर मुसलमानों के ऐलान से हिल गया पूरा बंगाल! तृणमूल मंत्री ने सांप्रदायिक राजनीति के लिए भाजपा पर साधा निशाना

• कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता | पिछले हफ़्ते मैराथन बहस के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंज़ूरी के बाद यह कानून बन गया। विधेयक के पारित होने के बाद, कानून को चुनौती देते हुए विपक्ष की कई याचिकाएँ सुप्रीम कोर्ट में दायर की गईं। बंगाल में हमें कोई समस्या नहीं है क्योंकि हमारी मुख्यमंत्री का नाम ममता बनर्जी है। बंगाल सभी धर्मों के लिए सद्भाव का एकमात्र स्थान है। बिल के ज़रिए केंद्र सरकार ने धार्मिक विभाजन पैदा करने की कोशिश की है, लेकिन यह बंगाल में कारगर नहीं होगा।

विवादास्पद वक्फ अधिनियम को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच जारी राजनीति के साथ ही देश के कई हिस्सों में नए कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी जोर पकड़ रहे हैं। प्रदर्शनकारी इस कानून को निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को कोलकाता के अलियाह विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों ने वक्फ अधिनियम के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन किया और मार्च निकाला। शहर के मेयर और बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि भाजपा राज्य को धार्मिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसकी योजना सफल नहीं होगी। सिलीगुड़ी में भी मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया गया।

पिछले हफ़्ते मैराथन बहस के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंज़ूरी के बाद यह कानून बन गया। विधेयक के पारित होने के बाद, कानून को चुनौती देते हुए विपक्ष की कई याचिकाएँ सुप्रीम कोर्ट में दायर की गईं। बंगाल में हमें कोई समस्या नहीं है क्योंकि हमारी मुख्यमंत्री का नाम ममता बनर्जी है।

संक्षिप्त समाचार

औद्योगिक आपदा प्रबंधन विषय पर ओरिएंटेशन एवं समन्वय सम्मेलन आयोजित

रायसेन (निप्र)। मप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में औद्योगिक आपदा प्रबंधन विषय पर ओरिएंटेशन एवं समन्वय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें रायसेन में कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष से कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। इस ओरिएंटेशन एवं समन्वय सम्मेल में मॉक एक्सरसाइज के लिए आवश्यक विस्तृत तैयारियों पर चर्चा की गई और रूपरेखा तैयार की गई। वीसी कक्ष में डिप्टी कलेक्टर श्री मनीष शर्मा, डिस्ट्रिक्ट होमगार्ड कमांडेन्ट श्री उमेश तिवारी सहित स्वास्थ्य, पुलिस तथा अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ग्राम धोखेड़ा में जल संगोष्ठी का आयोजन

रायसेन (निप्र)। जल गंगा संरक्षण अभियान के तहत जिले में कुएं, तालाब, बावड़ी आदि जल संरचनाओं की साफ-सफाई, गहरीकरण और जीर्णोद्धार कार्य के साथ ही नागरिकों को विभिन्न माध्यमों से जल का महत्व बताते हुए जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम धोखेड़ा में जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को जल का महत्व बताते हुए इसके अपव्यय को रोकने के लिए प्रेरित किया गया और जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

जल संग्रहण के लिए जन सहभागिता से होदी का निर्माण किया गया

विदिशा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन के निर्देशन में विदिशा जिले के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों को संवारने का कार्य जारी है। जल स्त्रोतों की साफ-सफाई में जन सहभागिता भी नजर आ रही है। इसी के तहत आज नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मथुरापुर द्वारा ग्राम मथुरापुर में आगामी वर्षा काल को ध्यानगत रखते हुए जल संग्रहित हो सके इसके लिए होदी का निर्माण किया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान तहत ग्राम मथुरापुर में आज होदी निर्माण के कार्य में संस्था समिति के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीण जनों ने भी सहभागिता निभाई है जिनमें जीवन सिंह, अभिषेक लोधी, कृष्णा, अंकित इत्यादि लोग शामिल रहे। जिला प्रशासन के निर्देशन में जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आदर्श ग्राम बरेज में ग्रामीण और स्कूली विद्यार्थियों के साथ कलश यात्रा का आयोजन कर जल संचय करने व जल स्त्रोतों को संवारने सहित जल की महत्वता को रेखांकित करते हुए जन जागरूकता के संदेशों का प्रसारण किया गया है। साथ ही गांव के प्राचीन कुंए पर पहुंचकर पूजन-अर्चना भी की गई है। इस अवसर पर पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य संतोष जैन सहित स्कूली स्टाफ विद्यार्थी एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे। जल संवर्धन के लिए किए गए इस कार्य में जन सहभागिता कर ग्रामीण जनों ने जल संरक्षण के लिए जल ही जीवन है के महत्व को दर्शाया है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग टीम के सदस्यों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

विदिशा (निप्र)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग टीम के सदस्यों ने आज बासौदा विकासखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रो में भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं का अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की टीम के सदस्यों ने बासौदा विकासखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग व स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त समन्वयक से प्रदाय स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया है खासकर एएनएम, आशा कार्यकर्ता, सीएचओ, आंगनबाडी कार्यकर्ता के माध्यम से प्रदाय सेवाओं की जानकारी प्राप्त की गई है।

भ्रमण के दौरान पांच वर्ष तक के बच्चों में होने वाली बीमारियों के संबंध में डीएसएस एप के माध्यम से कैसे जांच परीक्षण कर लक्ष्यों के आधार पर बीमारी की गंभीरता का वर्गीकरण किया जाता है तथा एप के माध्यम से कितनी खुराक दी जानी है किस बच्चे को रैफर करना है इत्यादि का परीक्षण के अपने समक्ष करवाया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य टीम के दलीय सदस्यों ने एएनएम व सीएचओ को बच्चों के मामले में दवा देने की मात्राओं के संबंध में पूछताछ कर जानकारी प्राप्त की गई है। इस दौरान बतलाया गया कि यदि कोई माता पिता रैफर के पश्चात बच्चे को यदि कुछ दिन वरिष्ठ चिकित्सालय में नहीं ला पाते है तब उनका अपने स्तर पर उचित उपचार में सुविधाओं की जानकारी दी गई है।

टीकाकरण

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की टीम के सदस्यों ने भ्रमण के दौरान ग्राम कुरावद में जारी टीकाकरण सत्र का भ्रमण कर जायजा लिया व टीकाकरण के कार्र्यो के संबंध में पूछताछ की है। भ्रमण निरीक्षण के दौरान केन्द्रीय टीम के सदस्य डॉ राजेश बी कुकडे, एमआर श्री आशीष राठौर, डॉ श्रुति एम तथा राज्य के प्रतिनिधि डॉ नीलेश, डॉ दीपक गंभीर, डॉ सौरभ गौड एवं जिला टीकाकरण अधिकारी श्री डीके शर्मा के अलावा अन्य

डोडी पुलिस चौकी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, डीआईजी, कलेक्टर एवं एसपी सहित जनप्रतिनिधि

सीहोर (निप्र)। आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र मेवाड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, पुलिस उप महानिरीक्षक देहात श्री ओपी त्रिपाठी, कलेक्टर श्री बालागुरु के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने जावर थाना अंतर्गत नवनिर्मित डोडी पुलिस चौकी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर एएसपी श्रीमती सुनीता रावत सहित अन्य गणमान्य नागरिक व प्रशासनिक अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर ने कहा कि नवीन चौकी में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध होने से पुलिस बेहतर ढंग से कार्य संपादन कर सकेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की सेवा में 24 घंटे उपलब्ध रहती है और हर परिस्थिति में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे समर्पित भाव से अपने कर्तव्य का निर्वहन करती है। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक देहात श्री ओपी त्रिपाठी, कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि इस नए भवन से पुलिस को कार्य संपादन में सुविधा होगी तथा तथा पुलिस को बेहतर कार्य परिवेश मिलेगा। जिससे चौकी आने वाले नागरिकों को भी बेहतर सेवाएं मिलेंगी।

उल्लेखनीय है कि डोडी पुलिस चौकी के नए भवन का निर्माण लगभग 28 लाख रुपये की लागत से किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य हाईवे पर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना तथा सुरक्षा को सुदृढ़ करना है। इस चौकी की स्थापना से क्षेत्र में पुलिस की सतत उपस्थिति बनी रहेगी जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित सहायता तथा अपराधों पर नियंत्रण में मदद मिलेगी।

पटाखा ब्लास्ट पीड़ितों को 5.42 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित

हरदा (निप्र)। गत वर्ष 6 फरवरी को हरदा के बैरागढ़ में पटाखा फैक्ट्री विस्फोट दुर्घटना के बाद शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को अभी तक कुल 5.42 करोड़ का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। जिसमे आरबीसी 6(4) के तहत 1 करोड़ 48 लाख, प्रधानमंत्री राहत कोष से 26 लाख एवं रेड क्रॉस से 73 लाख एवं एन.जी.टी. के आदेश के पालन में फैक्ट्री संचालको से 2 करोड़ 95 लाख की वसूली कर यह राशि भी पीड़ितों को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

दिवंगतो के परिवारजनों को 2 करोड़ 80 लाख का भुगतान

कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री विस्फोट दुर्घटना में मृत हुए 13 व्यक्तियों के परिजनों को कुल 2.80 करोड़ की राशि का भुगतान किया जा चुका है जिसमे आरबीसी के तहत 52 लाख रूपए (4.00 लाख रुपये प्रति दिवंगत), प्रधानमंत्री एक्स ग्रेसिया से 26 लाख (2.00 लाख प्रति दिवंगत), रेड क्रॉस से 6.50 लाख (50 हजार रुपये प्रति दिवंगत) एवं फैक्ट्री संचालको से 1 करोड़ 95 लाख की वसूली की कर प्रभावित परिवारजनों को 15 लाख रूपये प्रति दिवंगत के मान से भुगतान किया जा चुका है।

मकान क्षति के प्रभावितों को 1 करोड़ 97 लाख का मुआवजा वितरित : इंजिनियरों के दल में मकानों को शत प्रतिशत क्षति के आधार पर 2.40 करोड़ के नुकसान का आंकलन किया है। ब्लास्ट में मकान क्षति के 34 मकानों में निवासरत 57 पीड़ित परिवारों को आरबीसी के तहत 68.40 लाख (1 लाख 20 हजार प्रति परिवार) एवं 23 परिवारों को रेडक्रॉस से 46 लाख (2 लाख प्रति परिवार) की राशि का भुगतान किया जा चुका है। एन.जी.टी. के 6 मार्च के आदेश अनुसार मकानों के कुल नुकसान से पूर्व में प्रदान की गयी सहायता राशि (राजस्व पुस्तक परिपत्र एवं रेडक्रॉस) घटाकर कुल 97 लाख की राशि गत 12 मार्च को भुगतान कर दी गयी है। इस प्रकार विस्फोट से प्रभावित मकानों की कुल क्षति 2 करोड़ 40 में से 1 करोड़ 97 की राशि का भुगतान आज दिनांक तक किया जा चुका है। इन 34 विस्फोट प्रभावित मकानों में से 22 हितग्राहियों को आंकलित सम्पूर्ण क्षति का भुगतान हो गया है। एन.जी.टी. के समक्ष प्रकरण की अगली सुनवाई 29 मई को प्रस्तावित है, जिसमे आदेश प्राप्त होने शेष राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

घायलों को 32 लाख का मुआवजा भुगतान

घटना में 64 गंभीर घायलों सहित कुल 301 व्यक्ति घायल हुए थे, एवं एन.जी.टी. के आदेशानुसार घायलों के उपचार में व्यय हुई राशि के भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। घायलों को कुल 32 लाख रूपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है, जिसमे तात्कालिक रूप से 21 लाख की राशि रेडक्रॉस से, 8 लाख की राशि आरबीसी के तहत एवं 3 लाख की राशि फैक्ट्री संचालकों से वसूली की जाकर भुगतान किया जा चुका है। शेष घायलों से उनके बैंक खाता की जानकरी मांगी गयी है, ताकि उनको भी भुगतान किया जा सकें। इसके अलावा पशु क्षति, फसल क्षति, आंशिक मकान क्षति के लिए शासन द्वारा एवं रेडक्रॉस व रोगी कल्याण समिति के माध्यम से 62 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया गया है।

पटाखा ब्लास्ट के मामले में एन.जी.टी. के आदेश पर माननीय उच्च न्यायलय जबलपुर द्वारा स्थगन आदेश किया गया। गत 16 दिसम्बर 2024 को स्टे खत्म होने पर प्रकरण की सुनवाई प्रति सप्ताह एन.जी.टी. में चल रही है। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बताया कि सबसे पहले दिवंगत व्यक्तियों (15 लाख रूपए प्रति दिवंगत) के सम्बन्ध में निर्णय किया गया जिसका पालन किया जा चुका है और मुआवजे का भुगतान भी किया जा चुका है। इसके पश्चात मकान क्षति एवं घायलों के सम्बन्ध में सुनवाई चल रही है, जिसमे आदेश के पालन में अभी तक भुगतान कुल आंकलित मकान क्षति 2 करोड़ 40 लाख में से 1 करोड़ 97 लाख की राशि के भुगतान की कार्यवाही की गयी है। इस प्रकरण में अगली सुनवाई 29 मई 2025 को है, में शासन द्वारा पीडितो का पक्ष एवं मांग एन.जी.टी. के सामने रखा गया है। प्रकरण में निर्णय होते ही राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

जन श्रमदान से जल संरचनाओं की हो रही सफाई

बैतूल (निप्र)। बैतूल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के तहत जल संरक्षण की महत्ता जन-जन तक पहुंचाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत विकासखंड प्रभातपट्टन में मप्र जन अभियान परिषद प्रभातपट्टन द्वारा ग्राम पंचायत बाघोड़ा में मंदिर के किनारे स्थित तालाब पर श्रमदान किया गया, जिसमें तालाब के किनारे फैले पत्थरो को उठाकर एक स्थान पर जमाने के लिए श्रमदान किया। विदित हो कि उक्त पत्थरों के कारण मवेशियों को तालाब पर पानी पिलाने में परेशानी हो रही थी बड़े बड़े पत्थर से पशुओं के पैर जख्मी होने का खतरा रहता था।ग्राम पंचायत अमरावती घाट में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संगोष्ठी का आयोजन दुर्गा मंदिर परिसर में किया गया, जिसमें विकासखंड समन्वयक राधा बरोदे द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु ग्राम वासियों से चर्चा की व पूजन सामग्री व अन्य अपशिष्ट पदार्थों को जल स्त्रोतों में प्रवाहित न करने की समझाइश दी व सभी ग्रामवासियों को अपने अपने घरों के निकलने वाले पानी को सड़क पर बहने से रोकने के लिए सोकपिट बनाने हेतु प्रेरित किया ।नवांकुर संस्था द्वारा ग्राम में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण का संदेश देते हुए दीवार लेखन भी किया गया।

जामगांव की बड़ी नदी में उगी झाड़ियों को काटा : आठनेर विकासखण्ड में म.प्र. जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था युवा आस्था सेवा समिति व ग्राम पंचायत हिवरा के सहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आदर्श ग्राम हिवरा पंचायत के जामगांव की बड़ी नदी में उगी झाड़ियों व गाद की साफ-सफाई का कार्य श्रमदान के द्वारा किया गया। नदियां तालाब, कुएं, बाबड़ियां आदि जल स्त्रोत स्वच्छ और संरक्षित रहें और ग्राम के हर व्यक्ति को मिल कर जल संरक्षण के महत्व को समझना होगा व स्वयं ही अपने ग्राम की नदी की साफ सफाई व संरक्षण की जिम्मेदारी उठानी होगी, इस उद्देश्य को लेकर जल संगोष्ठी कर जल संरक्षण का संकल्प ग्रामीणों को दिलाया गया। मुलताई विकासखण्ड की पिपरिया पंचायत में भी जल संगोष्ठी आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में म.प्र. जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक,प्रस्फुटन समिति, नवांकुर संस्थाए, सीएमसीएलडीपी के छात्र परामर्श दाता, ग्राम सरपंच एवम सचिव के साथ ग्रामीणजन भी सम्मिलित हुए।

रायसेन में मिश्र तालाब के घाटों की सफाई की गई, जलकुंभी भी निकाली गई

रायसेन (निप्र)। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जल संरचनाओं की साफ-सफाई, गहरीकरण और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है जिससे कि बारिश का अधिक से अधिक जल, संरचनाओं में एकत्रित हो। इसी क्रम में मंगलवार को विधायक प्रतिनिधि श्री जमना सेन, पार्षदगणों, सीएमओ रायसेन सुरेखा जाटव सहित नगर पालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-09 स्थित मिश्र तालाब के घाटों की साफ-सफाई की गई। साथ ही तालाब से जलकुंभी भी निकाली गई। सीएमओ ने बताया कि नगर पालिका द्वारा तालाब के घाटों की सफाई के साथ ही गहरीकरण कार्य भी किया जा रहा है। यहां पर पूजन कुंड भी बनाया जाएगा जिसमें पूजन की सामग्री एकत्रित की जाएगी।

जन आकांक्षाओं के अनुरूप सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए प्रशासनिक इकाइयों के युक्तियुक्तकरण का प्रस्ताव बनाएं : सदस्य श्री एसएन मिश्रा

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सदस्य पूर्व आईएएस श्री एसएन मिश्रा श्री मुकेश शुक्ला और श्री अक्षय सिंह ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में आयोग द्वारा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तहसील, उपखंड प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांतों से अवगत कराया। साथ ही आयोग के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में आयोग के सदस्य श्री एसएन मिश्रा ने निर्देश दिए कि प्रशासन जनता की सेवा के लिए जन आकांक्षाओं के अनुरूप हो। इसके लिए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और कम से कम समय में अधिकतम सेवाएं उपलब्ध कराने तथा नागरिकों की प्रशासन तक पहुंच को सहज, सरल बनाने के लिए प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन की आवश्यकता है। सदस्य श्री मिश्रा ने बताया कि जनसामान्य की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिला, तहसील एवं विकासखंड की सीमाओं में परिवर्तन का खांका तैयार किया जायेगा। भौगोलिक स्थिति, प्रशासनिक सुविधा, बुनियादी सुविधाएं, आर्थिक कारक, जनसांख्यिकी कारक, सुरक्षा एवं सांस्कृतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए जनता को आसानी से प्रशासनिक सेवाएं देने के लिए वर्तमान जिला, तहसील और जनपद, विकासखंडों पर सुझाव लिए जाएंगे। सुझावों में कोर्ट ऑफ लॉ का ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में नागरिकों की सहुलियत और सुविधाओं का विशेष ध्यान रख कर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों से फीडबैक लेकर आपस में समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव तैयार किए जाये। बैठक में सचिव श्री सिंह ने निर्देश दिये कि प्रश्नावली तैयार करने में विशेष सतर्कता बरती जाए। ग्राम स्तर, पंचायत स्तर, राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर, तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी सुझाव लेकर कलेक्टर को भेजें। इसमें किसी भी प्रशासनिक इकाई का कोई युक्तियुक्तकरण, विलोपन, नवीन सृजन किया जाना है, तो उसका उचित प्रस्ताव तैयार कर प्रश्नावली को अद्यतन कर पृथक से शामिल कर जिला कलेक्टर को भिजवायें। जिले की समस्त तहसीलों एवं अनुविभागों की बैठक के उपरांत कलेक्टर अपने स्तर पर अधीनस्थों से प्राप्त प्रस्ताव पर युक्तियुक्तकरण पर वृहद चर्चा कर उस प्रस्ताव को अंतिम रूप से तैयार कर एवं प्रश्नावली को अद्यतन कर आयोग को भेजेंगे। जिला स्तर पर सभी विभागों के जिलाधिकारी से भी चर्चा की जाए ताकि उनके विभागों की कार्य प्रणाली का भी मत आ सके। कलेक्टर समीक्षा उपरांत जिले का एक अंतिम प्रस्ताव बनाकर प्रश्नावली को अद्यतन करेंगे।आयोग के सदस्य श्री मुकेश शुक्ला तथा श्री अक्षय सिंह ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनोन्मुखी प्रशासन हो, सुलभ हो, शासन द्वारा जिलों में क्रियान्वित योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सुगमता से पहुंचे।

आशा पर्यवेक्षकों एवं आशा कार्यकर्ताओं ने निक्षय मित्र बनकर मरीजों को पोषण आहार बास्केट का किया वितरण

बैतूल (निप्र)। बैतूल में लगातार निक्षय मित्र बनकर आमजन, समाजसेवी, प्रबुद्ध नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यवसायियों द्वारा पोषण आहार बास्केट क्षय के मरीजों को निःशुल्क वितरित की जा रहीं हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में विकासखंड की समस्त 12 आशा पर्यवेक्षकों एवं 130 आशा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वेच्छा से राशि एकत्र कर टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत क्षय के मरीजों को सामुदायिक सहायता के अंतर्गत पोषण आहार बास्केट वितरण का कार्य किया गया है। उन्होंने सम्मिलित रूप से शाहपुर के क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में निवासरत 8 टीबी मरीजों को यह सहायता प्रदाय की है, जिसकी मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ एस के रघुवंशी ने सराहना की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार ने बताया कि क्षय के मरीजों को सामुदायिक सहायता के अंतर्गत पोषण आहार बास्केट वितरण का कार्य जनसहयोग से किया जाना है।

इस हेतु निक्षय मित्र बनकर सहायता दी जा सकती है। क्षय मरीजों के लिये सामुदायिक सहायता का उद्देश्य क्षय मरीजों के इलाज के बेहतर आउटकम के लिये अतिरिक्त सहायता प्रदान करना है। जिन मरीजों का टीबी का उपचार जारी है उन्हें समुदाय की मदद से मासिक पोषण बास्केट प्रदाय की जाना है, जिससे उन्हें अतिरिक्त पोषण मिल सके। जिला क्षय अधिकारी डॉ आनंद मालवीय ने बताया कि बास्केट की अनुमानित राशि 500 रू. से 600 रू. के मध्य है। टीबी मरीजों को यह बास्केट कोई भी प्रदान कर निक्षय मित्र बन सकता है। उन्होंने मरीजों की सामुदायिक सहायता हेतु जिले के जन प्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, स्वयं सेवी संगठनों, समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले इच्छुक नागरिकों, महिला संगठनों, वयोवृद्ध वरिष्ठ नागरिकों एवं आमजन से आगे आकर निक्षय मित्र बनने एवं जिला क्षय केन्द्र में पंजीयन कराने का आग्रह किया है। पंजीयन हेतु जिला क्षय अधिकारी डॉ. आनंद मालवीय के मो.नं. 9406928617 एवं क्षय कंसल्टेंट श्री अजय नागले के मो. नं. 9300004244 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने गौशाला का लोकार्पण किया

हरदा (निप्र)। भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उईके ने मंगलवार को ग्राम छिदगांव तमोली में 37.84 लाख रूपये की लागत से निर्मित सीताराम गौशाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर टिमरनी विधायक श्री अभिजीत शाह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, जनपद अध्यक्ष टिमरनी श्रीमती रजनी राजेश कलम, जनपद उपाध्यक्ष श्री अनिल वर्मा, सरपंच श्री उत्तम सिंह राजपूत सहित अधिकारी कर्मचारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री श्री उईके ने गौशाला में गौ माता का विधिवत पूजन भी किया। उन्होने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि गाय माता हमें दूध, गोबर, गोमूत्र सहित बहुत कुछ देती है, हमें भी गौवंश की सेवा करनी चाहिए।

स्मार्ट पीडीएस एक मई से लागू करना प्रस्तावित: खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि स्मार्ट पीडीएस एक मई 2025 से लागू किया जाना प्रस्तावित है। मंत्री राजपूत ने पीडीएस के सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया है कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार भी सभी पात्र हितग्राहियों का ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। अपर मुख्य सचिव

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बुधवार को ई-केवायसी अभियान और न्यूनतम समर्थन मूल्य गेहूँ उपार्जन की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र हितग्राहियों का ई-केवायसी कर दोहरे एवं मृत हितग्राहियों के नाम सूची से विलोपित करवायें। ई-केवायसी की सुविधा पीओएस मशीन पर उपलब्ध है। मोबाइल ऐप से भी ई-केवायसी किया जा सकता है। एसीएस श्रीमती शमी ने इस कार्य में लगी टीम ग्राम/मोहल्ले में जाकर ई-केवायसी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ई-केवायसी अभियान के दौरान राशन वितरण प्रभावित नहीं होना चाहिए।

दादाजी धाम मंदिर में कल मनाया जाएगा भगवान हाटकेश्वर का जन्मोत्सव

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 अप्रैल को भगवान हाटकेश्वर जन्मोत्सव मनाया जाएगा। दादाजी गुरुदेव चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष शिवरतन नामदेव हाटकेश्वर शिवलिंग रूप हैं। पाताल लोक के स्वामी हैं। देवास जिले के हाटपिपल्या का नाम भी इन पर है वहां पौराणिक मंदिर है। एक खरगोन में, एक रायपुर में है। स्कंद पुराण में भी वर्णन है यह शिवलिंग मूलरूप से स्वर्ण का है जिसकी स्थापना लक्ष्मण जी ने वनवास के दौरान की थी। उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल को जिला दशोरा नागर समाज की महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा प्रात: 9:30 बजे से भगवान हाटकेश्वर अभिषेक, पूजन, हवन, आरती की जाएगी। उसके बाद प्रसाद वितरण किया जायेगा।

श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर एवं विशाल भंडारा

भोपाल। भोपाल क्षेत्र के मालाखेड़ी विदिशा रोड स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर दशहरा मैदान प्रांगण भोपाल में श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गोविंदपुरा की लोकप्रिय विधायक एवं मध्य प्रदेश सरकार की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर जी पधारेंगी । यह कार्यक्रम का आयोजन कामता प्रसाद गौर जी द्वारा एवं समिति विकास पटेल, मुकेश गौर, के के गुर्जर, निलेश गोर आदि द्वारा करवाया जा रहा हैं । क्षेत्र वासियों की शारीरिक एवं मानसिक कष्टों के निवारण हेतु निशुल्क नेत्र दंत एवं स्वास्थ्य शिविर 11 अप्रैल दिन शुक्रवार को प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक रहेगा।

हुजूर विधानसभा में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक, वैचारिक और कूटनीतिक दृष्टि से वैश्विक नेतृत्व में अग्रणी बना: रामेश्वर

भोपाल। भाजपा स्थापना दिवस पर लिए गए अभियान और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी पार्टी में सक्रियता नजर आ रही है। भाजपा ने प्रत्येक विधानसभा में भाजपा सक्रिय सदस्य सम्मेलन आयोजित कराने का प्रकल्प लिया है। इसी तारतम्य में बुधवार को हुजूर विधानसभा में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें हुजूर विधानसभा के 537 सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे । विधायक रामेश्वर शर्मा ने संगठनात्मक विषय के साथ मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यों का उल्लेख किया। इस दौरान भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने स्वागत भाषण दिया। बैठक में भोपाल ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री तीरथ सिंह मीणा, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री केदार मंडलोई सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी जी के साथ लगभग 11 वर्षों में विकसित भारत की ओर यात्रा विषय पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि - पिछले 11 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को पुनर्परिभाषित किया है। आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, हर घर जल, जनधन, उज्ज्वला जैसी योजनाओं ने आमजन का जीवन बदल दिया। श्री रामेश्वर शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह यात्रा सिर्फ विकास की नहीं, बल्कि आत्मगौरव और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की यात्रा भी है। आज भारत न केवल आर्थिक, बल्कि वैचारिक और कूटनीतिक दृष्टि से भी वैश्विक नेतृत्व में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। बैठक में स्वागत भाषण देते हुए जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने कहा कि - हुजूर विधानसभा ने भाजपा के हर अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे आजीवन सहयोग निधि की बात हो या अटल जी की जन्मशताब्दी वर्ष के कार्यक्रम, हुजूर ने हर आयोजन में सराहनीय भूमिका निभाई है। यहां का हर कार्यकर्ता बहुत सक्रिय है। हुजूर में प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी की बात को हर माह अलग-अलग बूथों पर सुना जाता है। पूरे भोपाल में संगठनात्मक कार्यों में हुजूर विधानसभा सदैव अव्वल रहती है।

सम्मेलन में जिलाध्यक्ष तीरथ सिंह मीणा ने भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि - भारतीय राजनीति में भाजपा ने नैतिकता, पारदर्शिता और राष्ट्रवाद को केंद्र में रखकर एक नया राजनीतिक चरित्र गढ़ा है। जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति से हटकर भाजपा ने विकास, सुशासन और सबका साथ-सबका विकास को मूलमंत्र बनाया। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया और लोकतंत्र की गरिमा को पुनर्स्थापित किया। देशभर में उभरता युवा नेतृत्व और विचारधारा आधारित संगठनात्मक संरचना इस परिवर्तन की पुष्टि करते हैं।

सम्मेलन में भाजपा की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार विषय को लेकर पूर्व जिलाध्यक्ष केदार मंडलोई ने भारतीय जनता पार्टी की चुनावी सफलता मात्र सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि विचारधारा के विस्तार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में जनमानस का समर्थन है। संगठन के अनुशासन, कार्यकर्ता केंद्रित कार्यसंस्कृति और बूथ स्तर तक की सक्रियता ने भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बना दिया है। चुनाव दर चुनाव पार्टी की बढ़ती स्वीकार्यता, जनता के विश्वास का प्रतीक है। यह सफलता नेतृत्व की दूरदृष्टि, योजनाओं की जनसार्थकता और संगठन की सशक्त नींव से उपजी है।

कांग्रेस ने देश में दोहरी नीति बनाकर जनता को बांटने का काम किया: सबनानी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस की श्रृंखला में सक्रिय कार्यकर्ताओं का सम्मेलन बुधवार को मानस भवन श्यामला हिल्स पर हुआ। सम्मेलन में विशेष तौर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम के विधायक भगवानदास सबनानी पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी पूर्व सांसद आलोक संजय रोजगार निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया और वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए प्रेरक वक्ताव्यो को ध्यान पूर्वक सुना। सम्मेलन की शुरुआत वंदे मातरम् गीत के साथ की गई, इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने अपने संबोधन में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की गौरवशाली यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला उन्होंने जनसंघ की स्थापना से लेकर आपातकाल, जनता पार्टी की सरकार, और फिर भाजपा के रूप में जनसंघ के पूर्वजन्म तक की यात्रा को रेखांकित किया। श्री सबनानी ने कहा कि किस तरह से कांग्रेस की सरकारों ने हमारे नेताओं को परेशान

किया और देश में दोहरी नीति बनाकर जनता को बांटने का काम किया, संघ पर नेहरू सरकार ने प्रतिबंध लगाया, जम्मू कश्मीर में 370 लगा कर राज्य को विशेष दर्जा देकर देश को बांटने का काम किया, और समकालीन नेताओं में डॉ भीमराव अंबेडकर जी और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अपमानित करने का काम किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश में दो निशान दो विधान का विरोध किया और एकात्म मानववाद का मूल सिद्धांत दिया, कालांतर में हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेई जी सरकार को भी षड्यंत्रपूर्वक गिरा दिया गया, इस अवसर पर अटल जी ने लोकसभा में जो अपना संबोधन दिया था वह संबोधन प्रत्येक कार्यकर्ता को सुनना चाहिए। पर आज वर्तमान में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश पूरी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है और हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है आज लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ रहे हैं और लोगों का जीवन स्तर सुधार रहा है, मध्य प्रदेश में भी हमारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में जनकल्याण की कई योजनाएं चल रही हैं जिससे जुड़कर लोग अपने जीवन स्तर में सुधार कर रहे हैं और सरकार की प्रशंसा कर रहे हैं। मैं इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं का स्वागत करता हूं। अपने वक्तव्य में पूर्व सांसद आलोक संजर ने कहा कि कार्यकर्ताओं से अंत्योदय के भाव से कार्य करने का आह्वान किया, और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की, शैलेंद्र शर्मा जी ने प्रत्येक कार्यकर्ताओं को अनुशासन के मूल मंत्र को समझाया और अनुशासित होकर काम करने से होने वाली प्रगति के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में एआई/एमएल आधारित कृषि उपज मॉडलिंग पर प्रशिक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में एआई/एमएल आधारित कृषि उपज मॉडलिंग पर विशेषज्ञों ने गहन जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए वैज्ञानिक, रीमोट सेंसिंग सेंटर, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के पहले दिन डॉ. सुनील दुबे (उप निदेशक, एमएनसीएफसी, डीए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार) ने यस-टेक परियोजना की कार्यप्रणाली, कार्यान्वयन की स्थिति, राज्यों में प्रगति, चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। श्री ऋषभ सक्सेना (पायथन डेवलपर एवं एआई/एमएल विशेषज्ञ, स्काईमैटस) ने एआई/एमएल तकनीक का परिचय देते हुए फसल उपज अनुमान मॉडल को प्रस्तुत किया। उन्होंने न्यूरल नेटवर्क और रैंडम फॉरेस्ट जैसे तकनीकों के उपयोग के साथ क्रॉस वैलिडेशन मैट्रिक्स के माध्यम से त्रुटि विश्लेषण की जानकारी दी। डॉ. नीतू (वैज्ञानिक एसएफ, आरआरएससी, उत्तर नई दिल्ली) ने उपग्रह डाटा की सहायता से फसल मानचित्रण की उन्नत विधियों पर व्याख्यान देते हुए कृषि में हो रहे बदलावों को एआई/एमएल एवं रीमोट सेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ. करुण कुमार चौधरी ने उपज अनुमान मॉडलिंग में रीमोट सेंसिंग, बीमा इकाई के प्रयोगों की विस्तार से जानकारी दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में मंत्री सिलावट ने केरवा डैम के समीप किया श्रमदान

भोपाल। जल संसाधन विभाग मंत्री तुलसी राम सिलावट ने बुधवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत केरवा डैम के समीप श्रमदान किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों से जल की एक-एक बूंद को संरक्षित करने का आह्वान किया। मंत्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प को पूरा करने और नदियों एवं तालाबों के संवर्धन के लिए प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जल स्रोतों के संरक्षण, जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य व्यापक पैमाने पर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सभी अपनी सक्रिय भागीदारी से सफल बनाएं। केरवा डैम, भोपाल के समीप जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आयोजित किए गए श्रमदान कार्यक्रम में विधायक श्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक विष्णु खत्री, तीरथ मीणा, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद राजपूत, सरपंच मीरा तोमर, पर्यावरण विद अभिलाष खांडेकर, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। मंत्री सिलावट ने अधिकारियों को जल स्रोतों के सौंदर्यीकरण और गहरीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के तालाबों के अतिक्रमण को तत्काल हटाने के भी सख्त निर्देश दिए।

भारत के महानिर्माण में प्रत्येक नागरिक, संस्था और संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ऑल इंडिया काउंसिल मीट-2025 में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र के रूप में वैश्विक क्षितिज पर उभर रहा है। यह भारत का महानिर्माण काल है, जिसमें प्रत्येक नागरिक, संस्था और संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सफल रिट्रीट भोपाल में एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ऑल इंडिया काउंसिल मीट-2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने एसोसिएशन के सभी प्रतिनिधियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों प्रतिनिधियों को सम्मानित किया उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत को आशा और संभावनाओं की दृष्टि से देख रही है। भारत वह राष्ट्र है जो विश्व में शांति स्थापित करने की सामर्थ्य रखता है। आज का भारत अपने निर्णय अंतर्राष्ट्रीय दबाव में नहीं, बल्कि वैश्विक हित में लेता है। हमारी सेनाएं पूरी मजबूती के साथ खड़ी हैं। अब वह समय नहीं जब हम ज़मीन पर विजय के बाद टेबल पर हार जायें, अब हम दुश्मन को घर में घुसकर जवाब देते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारतीय सेना के साथ जुड़कर कार्य करना गौरव और राष्ट्रसेवा का अवसर है। एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन के सदस्य सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। सैन्य क्षेत्र में उत्पादों की गुणवत्ता, अनुशासन और प्रतिबद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और एसोसिएशन इन सभी मानकों पर खरा उतर रहा है। विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी निर्माण की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। भविष्य में हथियार भी भारतीय होंगे उन्हें चलाने वाले भी स्वदेशी होंगे। एमईएस बिल्डर्स एसोसिएशन के सदस्य भारतीय सेना के साथ कदम से कदम मिलाकर भारत माता की सेवा कर रहे हैं, यह अत्यंत गर्व की बात है। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के 80 जिलों से आए एसोसिएशन के पदाधिकारी, बिल्डर्स, सैन्य क्षेत्र से जुड़े अधिकारी एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पार्थ योजना 9 स्थानों से होगी शुरू, 450 बच्चे होंगे लाभान्वित

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने की विभागीय समीक्षा

भोपाल, नप्र।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने टी.टी. नगर खेल स्टेडियम में एक मई से शुरू होने वाली पार्थ योजना की समीक्षा की। पार्थ योजना पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, मुरैना, शहडोल, सागर, इंदौर और उज्जैन में शुरू की जा रही है। इस योजना के जरिये हर स्थान पर 50-50 बच्चों का चयन कर उन्हें लाभान्वित किया जायेगा। मंत्री सारंग ने कहा कि योजना शुरू होने से पहले उन स्थानों के कलेक्टर्स के साथ चर्चा की जाये। साथ ही भोपाल से निर्धारित स्थानों पर आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने के लिये अधिकारियों को भेजा जाये, जो स्ट्रक्चर और इन्फ्रा-स्ट्रक्चर का आकलन जिला खेल अधिकारी के साथ मिलकर करें। योजना में प्रशिक्षण पूर्व आकलन की एसओपी तैयार की जाये। इसके लिये कमेटी का भी गठन करें। हरेक प्रक्रिया की एसओपी हो। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो। श्री सारंग ने बच्चों की सुविधा को देखते हुए समय निर्धारित करने को कहा। योजना के जरिये सप्ताह में 6 दिन प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये। उन्होंने रविवार के दिन प्रशिक्षणार्थी को स्वैच्छा से फिजिकल एक्टिविटी की छूट देने को कहा। मंत्री सारंग ने योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन, प्रशिक्षणार्थी पात्रता, शैक्षणिक योग्यता, आयु, प्रशिक्षण की अवधि, शुल्क, शारीरिक प्रशिक्षण, प्रशिक्षण समय, मानव संसाधन, प्रशिक्षक का मानदेय, वित्तीय प्रबंधन, आवश्यक सामग्री, किट, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार आदि पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री सारंग ने खेलो-बढ़ो अभियान के लिये स्कूलों का चयन कर कैलेण्डर बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने मास्टर ट्रेनर के रूप में गाइड की ट्रेनिंग कराने को भी कहा। साथ ही अभियान से संबंधित लिटरेचर और फिल्म प्राथमिकता से बनाने के निर्देश दिये, जिसके जरिये बच्चे खेलो-बढ़ो अभियान की जानकारी हासिल कर सकेंगे। उन्होंने इस दौरान बच्चों को नामी-गिरामी खिलाड़ियों से भी मिलवाने की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव और खेल संचालक राकेश गुप्ता सहित अन्य खेल अधिकारी उपस्थित थे।

हमें आने वाली पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए चिंतन करने की आवश्यकता है: प्रभारी मंत्री पटेल

भिण्ड में जिला योजना समिति की बैठक में दिये निर्देश

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री एवं भिंड जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला योजना समिति की बैठक जिला पंचायत सभागार भिण्ड में की गई। विधायक भिण्ड श्री नरेन्द्र सिंह कुशवाह, विधायक गोहद श्री केशव देसाई, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया, कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव, सीईओ जिला पंचायत श्री सुनील दुबे, सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मंत्री श्री पटेल ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर कहा कि यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महत्वाकांक्षी अभियान है। इससे पानी का भण्डारण कर आम जन मानस को पर्याप्त पेयजल की सुविधा प्रदान की जा सके। अभियान को जन प्रतिनिधियों सहित जन भागीदारी के सहयोग से वृहद रूप से संचालित करें। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोत लगातार सूख रहे हैं, हमें आने वाली पीढ़ी के उज्जवल सुगम भविष्य के लिए आज चिंतन करने की आवश्यकता है। उन्होंने जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा पौध-रोपण के लिए युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये कहा कि पौधे लगाना ही नहीं बल्कि पौधे को वृक्ष बनाना भी जरूरी है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से आने वाले बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण एवं पौध-रोपण का आहवान किया। मंत्री श्री पटेल ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्म काल में पेयजल की समस्या निदान के लिए जिले में वृहद स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान को संचालित करना है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए अधिक से अधिक खेत, तालाब, नदी तालाबों का निर्माण कराया जाये।

मंत्री पटेल ने निर्देश दिए कि ऐसे हैंडपंप जो खराब हो चुके हैं, पेयजल योग्य नहीं हैं, उन्हें हटाकर वर्षा का जल संरक्षण के योग्य बनाया जाए, जिससे जितना जल उस हैंडपंप के माध्यम से निकाल चुके हैं कम से कम उतना जल वर्षा जल के माध्यम से भूमि को वापस किया जा सके।मंत्री श्री पटेल ने क्षेत्र में पेयजल की उपलब्धता की समीक्षा कर कहा कि पिछले वर्ष जिले में जिन स्थानों पर पेयजल की समस्या थी और वर्तमान में पेयजल समस्या की क्या स्थिति है। उन्होंने पेयजल संकट के निदान के लिये किए गए प्रयास एवं कार्य योजना के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित कर कहा कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल व्यवस्था हर हाल में सुचारू बनायी रखी जाये। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जिससे कि किसी भी नागरिक को पेयजल की समस्या नहीं रहे और ईधर-उधर भटकना नहीं पड़े। मंत्री श्री पटेल ने उपार्जन की समीक्षा के दौरान पिछले वर्ष गेहूं एवं सरसों उपार्जन के लिए बनाए गए केन्द्र एवं इस वर्ष बनाए गए केन्द्रों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित कर कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या विवाद की स्थिति नहीं बने, इसके लिए समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री सड़क योजना के तीसरे एवं चौथे चरण अंतर्गत जिले में वर्तमान में प्रगतिरत सड़कों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने राजस्व महाअभियान में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आधार सीडिंग की प्रगति के संबंध में जानकारी ली।

|| संपादकीय ||

योगी ने साकार किया राम को रोटी से जोड़ने का सपना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सच साबित कर दिया। आज शिव की अविनाशी काशी और राम की अयोध्या पर्यटकों की आमद के मद्देनजर यहां के लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन गए हैं। कमोबेश यही स्थिति अन्य तीर्थ स्थलों की भी है। तीरथराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ में तो इसका चरमोत्कर्ष दिखा।

अपने यहां कहा जाता है,'जिसने जन्म दिया वही रोटी का भी इंतजाम करेगा'। यह ऊपरवाले पर मुकम्मल भरोसे के साथ इस बात की ओर भी संकेत करता है कि अगर अपने इष्टदेवों से जुड़े स्थलों को सजा सवार दिया जाय। वहां आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा के मद्देनजर बुनियादी सुविधाएं विकसित कर दी जाएं तो वहां भारी संख्या में रोजी रोजगार के अवसर स्थानीय और आसपास के लोगों को उपलब्ध होते हैं। यह राम को रोटी को जोड़ने जैसा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सच साबित कर दिया। आज शिव की अविनाशी काशी और राम की अयोध्या पर्यटकों की आमद के मद्देनजर यहां के लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन गए हैं। कमोबेश यही स्थिति अन्य तीर्थ स्थलों की भी है। तीरथराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ में तो इसका चरमोत्कर्ष दिखा। सरकार का अनुमान था कि करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले विश्व के इस सबसे बड़े धार्मिक समागम में करीब 35 से 40 करोड़ श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल होंगे, पर शामिल हुए 66 करोड़ से अधिक लोग। इनमें से बहुतों की मंजिल सिर्फ प्रयागराज ही नहीं, काशी, अयोध्या, वनगमन के दौरान जहां भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता सहित राम को निषादराज ने जहां उनको गंगा पार कराया था वह श्रृंगवेरपुर और वनगमन के दौरान राम ने मंदाकिनी के तट पर जिस चित्रकूट में सर्वाधिक समय गुजारा था, वह भी थी। कई लोगों ने विंध्याचल स्थित मां जगदंबा के दरबार में भी हाजिरी लगाई।

अब एक पर्यटक ने औसतन इस दौरान कितना खर्च किया। इस खर्च का कितना कितना लाभ इस सेक्टर्स से जुड़े स्टेकहोल्डर्स और स्थानीय लोगों को मिला। केंद्र और राज्य सरकार के हिस्से में प्रयागराज के महाकुंभ और काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर और राममंदिर एवं अयोध्या के कायाकल्प पर हुए खर्च की तुलना में कितना लाभ हुआ, यह अर्थशास्त्र के जानकारों के लिए अनुमान विषय है। पर, यह निर्विवाद सच है कि पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद से लाभ में सब रहे। साथ ही इसने उत्तर प्रदेश के लिए संभावनाओं का एक नया और बड़ा दरवाजा खोल दिया। क्योंकि, बहुसंख्यक समाज के रोम रोम में बसने वाले राम की अयोध्या, तीनों लोकों से न्यारी शिव की काशी और राधा कृष्ण की जन्म भूमि, ग्वाल बालों और गोपियों के साथ लीला के स्थल ब्रज उत्तर प्रदेश में है। इन सभी जगहों की संभावनाओं के मद्देनजर योगी सरकार यहां आने वालों की सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से लगातार काम भी कर रही है।

तीन साल से घरेलू पर्यटकों के आमद के हिसाब से यूपी देश में नंबर वन

इसका नतीजा है कि पर्यटकों की आमद के हिसाब से उत्तर प्रदेश लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2022 से ही घरेलू पर्यटकों के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक पर बना हुआ है। सरकार के आंकड़ों पर गौर करें तो 2017 में उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या मात्र 24 करोड़ थी, जो 2024 में बढ़कर 65 करोड़ हो गई। आठ वर्षों में 41 करोड़ की यह वृद्धि खुद में अभूतपूर्व है। स्वाभाविक है कि महाकुंभ के नाते 2025 एक नया रिकॉर्ड रचेगा। यह संख्या एक अरब का ऊपर तक जा सकती है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 60 फीसद से अधिक घेरलू यात्राएं धार्मिक स्थलों की होती हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा देनी होती है। यह सारा काम उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संजीदगी से कर रही है।

आठ वर्षों की मेहनत का नतीजा है पर्यटन क्षेत्र का ये उभार

यह सब यूं ही नहीं हुआ। इसकी पृष्ठभूमि मार्च 2017 में जब योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तभी से शुरू हो गई थी। तब अयोध्या जाना तो दूर की बात, कोई नेता अयोध्या का नाम तक नहीं लेना चाहता था उस अयोध्या में वह बार बार गए। हर बार उन्होंने अयोध्या को विकास की बड़ी सौगात दी। दीपावली के एक दिन पूर्व भव्य दीपोत्सव आयोजन कराया। इससे एक बार फिर देश-दुनिया में राम को मानने वालों का ध्यान अयोध्या की ओर गया। राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने और मंदिर का शिलान्यास होने के बाद तो केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या के कायाकल्प के लिए खजाने का मुंह खोल दिया। मुख्यमंत्री की मंशा अयोध्या की दुनिया की सबसे खूबसूरत पर्यटन नगरी बनाने की है। इसे वे कई बार सार्वजनिक मंचों से भी कह चुके हैं। उसी मंशा के अनुरूप अयोध्या में लगातार काम भी हो रहे है। काशी, प्रयाग, ब्रज क्षेत्र पर भी उनका इसी तरह फोकस है।

पूरा हुआ राम को रोटी से जोड़ने का संकल्प

उल्लेखनीय है कि राम और रोटी का रिश्ता अटूट है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राम मंदिर आंदोलन को धार देकर भाजपा ने इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख एजेंडा बनाया। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद जब राम मंदिर आंदोलन के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तो केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा ही सत्ता में रही। सोने पर सुहागा यह कि इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ थे। यह वह पीठ है जिसका राम मंदिर आंदोलन से वास्ता करीब 100 वर्षों का है। योगी के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ और खुद योगी आदित्यनाथ राम मंदिर आंदोलन के हर महत्वपूर्ण घटना के समय मौजूद रहे। ऐसे में जनमानस के मन में यह बैठ गया है कि अयोध्या में श्रीराम को फिर से पुनर्स्थापित करने का काम भाजपा ने किया। इस काम में गोरक्षपीठ की अहम भूमिका रही। बतौर पीठ के पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल इस कसौटी पर खरे उतरे, बल्कि काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य धार्मिक स्थलों के नियोजित विकास से अपने पद एवं दायित्व के अनुसार उसे विस्तार भी दिया। यह सिलसिला अभी जारी है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बांग्लादेश को बड़बोलापन भारी पड़ा ?-भारत की आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक का असर सैन्य कार्रवाई से ज्यादा मारक

भारत ने बांग्लादेश के लिए ट्रांसशिपमेंट की सुविधा बंद की- बांग्लादेशी एक्सपोर्टर्स मुसीबत में - नेपाल भूटान बैन से से बाहर

> ट्रांसशिपमेंट सुविधा को जानने की करें तो, भारत ने बांग्लादेश को दी गई एक खास सुविधा, जिसे ट्रांसशिपमेंट फैसिलिटी कहा जाता है, खत्म कर दी है। इस सुविधा के तहत बांग्लादेश अपने निर्यात का माल भारत की ज़मीन से होकर किसी तीसरे देश तक भेज सकता था, इसके लिए वह भारत के हवाई अड्डों या बंदरगाहों का उपयोग कर सकता था। अब बांग्लादेश के पास यह विकल्प नहीं रहेगा, यह सुविधा बांग्लादेश को वर्ल्ड मार्केट में आसान एंट्री देता था। बांग्लादेश अपने माल को भारत के लैंड कस्टम स्टेशनों से ट्रकों या कंटेनरों में भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचाता था, जहां से इसे आगे शिपिंग या हवाई मार्ग से भेजा जाता था. यह प्रक्रिया समय और लागत बचाने में मदद करती थी।

वैश्विक स्तरपर आधुनिक युग में आपसी रिश्तों. नातों, संबंधों की प्रगाड़यता का बहुत बड़ा असर न केवल निजी जिंदगी पर पड़ता है बल्कि सार्वजनिक राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तरपर भी पड़ता है। ठीक उसी तरह अपनी वाणी की शालीनता से भी निजी राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तरपर बहुत फर्क पड़ता है, जो हम अपनी निजी जिंदगी में तो देखते ही हैं,परंतु हम इसका असर राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी आए दोनों देखते ही रहते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इन दोनों बातों का सटीक उदाहरण हमें 8 अप्रैल 2025 को देखने को मिला, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बांग्लादेश पर 8 अप्रैल 2025 से ट्रांसशिपमेंट की सुविधा पर रोक लगा दी गई है, परंतु दो देशों नेपाल भूटान को इससे छूट दी गई है। बता दें यह ट्रांसशिपमेंट की सुविधा 2020 से दी गई थी परंतु बता दें 26-29 मार्च को चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रमुख नें टिप्पणी की थी, उनके बयान को विवादास्पद माना गया।हालांकि,भारतीय अधिकारियों ने ये पुष्टि नहीं की है कि ट्रांसशिपमेंट फैसिलिटी हटाने का कारण उनके बयान ही हैं या नहीं एक प्रिंट मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता के बयान कुछ इस प्रकार से हैं,बांग्लादेश को दी गई ट्रांसशिपमेंट फैसिलिटी की वजह से हमारे हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर बहुत ज्यादा भीड़ हो गई थी, इससे हमारे काम में देरी हो रही थी और लागत भी बढ़ रही थी, जिससे भारत के अपने एक्सपोर्ट पर असर पड़ रहा था, इसलिए 8 अप्रैल,2025 से ये सुविधा बंद कर दी गई है,लेकिन ये साफ कर देना जरूरी है कि ये फैसला नेपाल और भूटान को भेजे जा रहे बांग्लादेशी सामान पर लागू नहीं होता, वो पहले की तरह भारत के रास्ते जा सकेंगे। बता दें, भारतीय निर्यातकों, खासकर कपड़ा उद्योग से जुड़े निर्यातकों ने पहले भी सरकार से पड़ोसी देश को दी जाने वाली इस सुविधा को वापस लेने का आग्रह किया था। जून 2020 में, भारत ने भारतीय भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के माध्यम से बांग्लादेश से माल के परिवहन की अनुमति दी थी, अब फर्क यह होगा कि भारत में ट्रांसफर शिपमेंट बैंक के आदेश से बांग्लादेश का एक्सपोर्ट खर्च तीन गुना बढ़ सकता है व प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता पर घास घातक असर पड़ेगा इसलिए आज मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,

बांग्लादेश को बड़बोलापन भारी पड़ा, भारत की आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक का असर सैन्य कार्रवाई से भी अधिक मारक होगा।

साथियों बात अगर हम भारत ने बांग्लादेश के लिए ट्रांसशिपमेंट की सुविधा बंद करने की करें तो, इस सुविधा से वह भारतीय जमीन का इस्तेमाल करके कई देशों में सामान एक्सपोर्ट करता था, विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारतीय हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर ट्रांसशिपमेंट की वजह से काफी भीड़भाड़ रहती थी, जिसके चलते हमारे अपने एक्सपोर्ट में देरी हो रही थी और बैकलॉग हो रहा था।विदेश मंत्रालय ने कहा कि काफी समय से एपेरेल एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल बांग्लादेश की ट्रांसशिपमेंट सुविधा बंद करने की मांग कर रहा था, जिसे अब स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, पिछली व्यवस्था के तहत जो बांग्लादेशी एक्सपोर्ट कार्गो भारत में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें शिपमेंट की अनुमति है। साल 2020 में भारत सरकार ने बांग्लादेश को ट्रांसशिपमेंट की सुविधा दी थी, जिसके तहत उसके एक्सपोर्ट गुड्स को भारतीय जमीन के जरिए नेपाल, भूटान, म्यांमार और दूसरे देशों को भेजा जाता था। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने 8 अप्रैल को नोटिफिकेशन जारी करके इस सुविधा को तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया था, जिसके बाद चर्चा थी कि अब बांग्लादेश इन मुल्कों को सामान एक्सपोर्ट नहीं कर पाएगा। हालांकि, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने साफ किया है कि ढाका भारत के जरिए नेपाल और भूटान में एक्सपोर्ट कर सकता है। भारत सरकार के इस फैसले को मोहम्मद यूनुस के उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों का हवाला देते हुए चीन से आर्थिक विस्तार की अपील की थी। पिछले महीने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस चीन के दौरे पर थे, यहां 28 मार्च को उन्होंने चीन से समंदर के जरिए व्यापार बढ़ाने और बांग्लादेश में आकर उत्पादन करने की अपील की थी, ताकि उनके देश को आर्थिक लाभ मिले, उन्होंने कहा था कि भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य लैंडलोक्ड हैं यानें जमीन से घिरे हैं, इसलिए समंदर तक उनकी पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पूरे क्षेत्र में बांग्लादेश अकेला समंदर का संरक्षक है इसलिए यह चीनी अर्थव्यवस्था के लिए एक विस्तार हो सकता है। उन्होंने चीन से ये भी कहा कि वह बांग्लादेश में उत्पादन करे और चीजें बाजार तक ले जाए, फैक्ट्रियां स्थापित करे।उन्होंने लालमोनिरहाट में एयरबेस को पुनर्जीवित करने के लिए भी चीन को न्योता दियाथालालमोनिरहाट जिला बंगाल के सिलीगुड़ी कॉरिडोर या चिकन नेक से ज्यादा दूर नहीं है. चिकन नेक नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और चीन की सीमाओं से लगता है।

साथियों बात अगर हम ट्रांसशिपमेंट बंद करने से बांग्लादेश को निर्यात आयात पर भारी असर पड़ने की करें तो, माल हस्तांतरण सुविधा के बंद होने से बांग्लादेश के निर्यात और आयात पर असर पड़ेगा। खासकर भूटान, नेपाल और म्यांमार के साथ व्यापार में दिक्कत आएगी। ये देश तीसरे देशों के साथ व्यापार के लिए भारतीय रास्तों पर निर्भर हैं। पहले भारत से होकर जाने वाला रास्ता आसान था। इससे समय और पैसा दोनों बचता था। अब बांग्लादेश के व्यापारियों को ज्यादा समय लगेगा, ज्यादा खर्चा आएगा और अनिश्चितता भी बढ़ेगी। नेपाल और भूटान दोनों ही जमीन से घिरे हुए देश हैं। वे बांग्लादेश के साथ व्यापार के लिए भारत के रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। व्यापार विशेषज्ञों के अनुसार, इस निर्णय से परिधान, जूते, रत्न एवं आभूषण जैसे कई भारतीय निर्यात क्षेत्रों को लाभ होगा। परिधान क्षेत्र में बांग्लादेश भारत का बड़ा प्रतिस्पर्धी है। भारतीय कपड़ों के निर्यात को बढ़ावा देने वाली संस्था ने कहा कि राजधानी में हर दिन 20-30 बांग्लादेशी ट्रक आते हैं, जिससे कार्गो टर्मिनलों पर जाम लग जाता है और माल ढुलाई की लागत बढ़ जाती है। एक अन्य संघ का बयान आया कि अब हमारे पास अपने माल के लिए अधिक हवाई क्षमता होगी।

साथियों बात अगर हम बांग्लादेश के बड़बोलेपन वाले बयान की करें तो, दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने पिछले महीने चीन का दौरा किया था। वहां उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य लैंड लॉक्ड (जमीन से घिरे हुए) हैं, और समुद्र तक उनकी पहुंच का एकमात्र रास्ता बांग्लादेश है।उन्होंने चीन को बांग्लादेश की स्थिति का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया था।उनकी यह टिप्पणी भारत को नागवार गुजरी थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव भी देखने को मिला था।ये फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार के एक बयान की चर्चा हो रही है।कुछ दिनों पहले ही वो चीन की राजधानी बीजिंग में उन्होंने कहा कि चीन और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बीच व्यापार बढ़ाया जाना चाहिए, और इसमें बांग्लादेश के बंदरगाहों का इस्तेमाल किया जा सकता है।उन्होंने कहा था,पूर्वी भारत के सात राज्य, जिन्हें सात बहनों के नाम से जाना जाता है, ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनकी समुद्र तक कोई सीधी पहुंच नहीं है, हम इस पूरे क्षेत्र के लिए समुद्र के एकमात्र संरक्षक हैं. इससे एक बड़ा अवसर खुलताहै,ये चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार बन सकता है, चीजें बनाएं, चीजें उत्पादित करें, मार्केटिंग करें, चीन में सामान लाएं और उन्हें बाकी दुनिया में निर्यात करें। चीन के साथ मिलकर भारत के खिलाफ चालबाजियां करने वाले और बांग्लादेश को समंदर का एकमात्र गार्जियन बताने वाले को भारत ने तोल-मोल कर मगर ठोस जवाब दिया है। भारत के संसाधनों के सहारे विदेश व्यापार करने वाले बांग्लादेश से भारत ने ट्रांस शिपमेंट की अहम सुविधा छीन ली है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि बांग्लादेश को बड़बोलापन भारी पड़ा?- भारत की आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक का असर सैन्य कार्रवाई से ज्यादा मारक।भारत ने बांग्लादेश के लिए ट्रांसशिपमेंट की सुविधा बंद की- बांग्लादेशी एक्सपोर्टर्स मुसीबत में - नेपाल भूटान बैन से से बाहर।भारत के ट्रांसशिपमेंट के आदेश से बांग्लादेश का एक्सपोर्ट खर्च तीन गुना बढ़ सकता है - प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता पर घातक असर होगा।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

राम पर इतना तनाव क्यों ?

हम आश्चर्य में हैं और अपनी ही चेतना से सवाल कर रहे हैं। हम राम नवमी सहज और सौहार्द के साथ क्यों नहीं मना सकते? राम नवमी की शोभा-यात्रा और अन्य आयोजनों के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति लेने की नौबत क्यों आती है? पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार राम नवमी पर रोड़े क्यों बिछाती रही हैं? ममता भी हिंदू हैं। राम उनके भी हैं। राम पूरे ब्रह्मांड में प्रत्येक प्राणी के हैं। राम अवतरित पुरुष हैं। ममता बनर्जी मां काली और दुर्गा की तो पूजा करती रही हैं। फिर 'जय श्रीराम' का उद्घोष उन्हें गाली-सा क्यों लगता है और वह अपना संयम खोने लगती हैं? साल-दर-साल राम नवमी के आयोजनों पर सरकारी प्रतिबंध क्यों लगाए जाते रहे हैं? संविधान ने 'धार्मिक स्वतंत्रता' का मौलिक अधिकार हिंदुओं, राम-भक्तों, को भी प्रदान किया है। क्या राम की शोभा-यात्रा आयोजित करना और आस्थाओं के साथ त्योहार मनाना भी गुनाह या पाप है? ममता बनर्जी बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, लिहाजा प्रत्येक नागरिक की जन-प्रतिनिधि हैं, संवैधानिक अभिभावक हैं। सरकार के नाते यह उनका दायित्व है कि औसत नागरिक उल्लास और उमंग के साथ अपने पर्व मना सके, लेकिन बंगाल ही नहीं, बिहार, उप्र, महाराष्ट्र और झारखंड सरीखे राज्यों में भी, राम नवमी के दिन, राम के नाम पर ही, एक खौफनाक तनाव पसरा रहा। वहां सुरक्षा की पहरेदारियां बिठाई गईं। उप्र के तो 42 जिलों और पश्चिम बंगाल के 10 संवेदनशील जिलों में 'हाई अलर्ट' घोषित करना पड़ा। उप्र में संभल क्षेत्र 'सांप्रदायिकता का कुरुक्षेत्र' क्यों बन गया है? बंगाल के हावड़ा इलाके और उप्र के कई शहरों में सुरक्षा बलों, पुलिस को 'फ्लैग मार्च' निकालने पड़े, चप्पे-चप्पे पर पहरे और घेराबंदियां बिठा दी गईं। ड्रोन चलाए गए, सीसीटीवी से भी निगरानी करनी पड़ी। यह 'राम नवमी' त्योहार का दिन था अथवा किसी आतंकी हमले की आशंका थी? ये सुरक्षा-घेरे सहज नहीं लगे।

आखिर इतने व्यापक तनाव के कारण क्या थे? क्या देश में धार्मिक सहिष्णुता समाप्त हो चुकी है? होली बनाम अलविदा जुमा, नवरात्रि बनाम ईद की नमाज सरीखे सांप्रदायिक टकराव के हालात क्यों बन रहे हैं? क्या सरकारें ही नाकाम हैं? या सरकारें ही दंगेनुमा स्थितियां पैदा करवा रही हैं? आखिर देश में यह कब तक चलता रहेगा? बंगाल में ममता सरकार बीते सालों में भी राम नवमी, दुर्गा पूजा, हनुमान जयंती सरीखे हिंदुओं के त्योहारों पर वर्जनाएं थोपती रही हैं। अंततः अदालत की शरण में जाना पड़ता है। ममता बनर्जी ने यह आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार दंगे भडक़ा रही है। इनसान को इनसान से लड़वा रही है। इसकी प्रतिक्रिया में बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा एवं हिंदू कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि सभी अपनी गाड़ी या बाइक पर भगवा झंडा लगा कर पूरा दिन शहर में घूमते रहें। दुकानों पर भी अपनी पहचान का झंडा लगाया जाए। ऐसे बयान उत्तेजक साबित हो सकते हैं। दावा किया गया कि हजारों शोभा-यात्राएं निकाली जाएंगी और करीब 5000 जगहों पर श्रीराम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन और अदालत के निर्देश हैं कि शोभा-यात्रा में कोई भी हथियार लेकर शामिल नहीं होगा। क्या राम नवमी हथियार लेकर मनाई जाती रही है? दरअसल ममता और भाजपा दोनों ही वोट बैंक को धुरवीकृत करने और अंततः चुनाव जीतने का खेल कर रहे हैं। अनुमान है कि शोभा-यात्राओं में करीब 1.5 करोड़ हिंदुओं ने शिरकत की।

टेक्नोलॉजी

क्या Krutrim दे पाएगा ChatGPT और DeepSeek को टक्कर? ओला ला रहा है देसी AI असिस्टेंट कृति

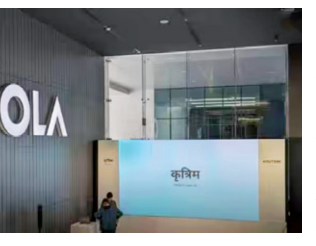

भारत में Krutrim AI असिस्टेंट जल्द लॉन्च हो सकता है, जो न सिर्फ सवालों के जवाब देगा बल्कि आपके लिए कैब भी बुक करेगा. आइए जानें कैसे ये ChatGPT और DeepSeek को भी टक्कर दे सकता है.

ओला ने 2023 में भारतीय AI इकोसिस्टम को ध्यान में रखते हुए Krutrim AI की शुरुआत की थी. यह भारत का पहला घरेलू AI स्टार्टअप है, जिसका मकसद भारतीय भाषाओं, सेवाओं और टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देना है. कंपनी जल्द ही कृत्रिम असिस्टेंट को लॉन्च कर सकती है.

ओला के फाउंडर भावेश अग्रवाल ने हाल ही में इसको लेकर बड़ी जानकारी दी है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कृत्रिम असिस्टेंट आकार ले रहा है और इस महीने लॉन्च होगा. टीम इस पर कड़ी मेहनत कर रही है, जिससे इसे बेहतरीन प्रोडक्ट बनाया जा सके. साथ ही, असिस्टेंट का नाम Kruti (कृति) रखने के बारे में सोच रहा हूं. इसे ग्लोबल ऐप्स और भारत के संदर्भ में उनसे बेहतर बनाने के लिए काम चल रहा है'.

कैब बुकिंग और रीजनिंग - कृत्रिम AI असिस्टेंट को इसका कैब बुकिंग फीचर और रीजनिंग एबिलिटी अन्य बड़े AI मॉडल्स जैसे ChatGPT और DeepSeek से अलग बनाता है. इसका मतलब है कि यदि आप इस AI से कोई सवाल पूछते हैं, तो यह तुरंत जवाब देने के बजाय पहले उस पर 'सोचेगा' और फिर एक बेहतर और लॉजिकल उत्तर देगा, लेकिन इससे भी खास बात ये है कि यह आपके लिए ओला की कैब भी बुक कर सकता है, जो कि आज तक किसी भी पॉपुलर AI मॉडल में देखने को नहीं मिला है.

Ghibli स्टाइल फोटो और लोकल इंटीग्रेशन - कृत्रिम AI असिस्टेंट की एक और दिलचस्प खासियत यह है कि इसके ज़रिए आप Ghibli स्टाइल की फोटोज भी क्रिएट कर सकते हैं. यह एक एनीमेशन स्टाइल है जो खासतौर पर जापान में पॉपुलर है, लेकिन अब भारतीय यूजर्स के लिए भी AI आधारित फोटो बनाने की सुविधा मिल सकेगी. इसके साथ ही, यह असिस्टेंट लोकल डेटा और आपकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उत्तर देगा, जो इसे ChatGPT जैसे ग्लोबल मॉडल्स से अलग बनाता है.

अभी क्या कर सकता है कृत्रिम? - फिलहाल यह AI असिस्टेंट DeepSeek R1 की मदद से सवालों के जवाब दे रहा है. Ola ऐप में कृत्रिम का ऑप्शन मौजूद है, लेकिन अभी यह कैब बुकिंग के लिए सक्रिय नहीं है. उम्मीद की जा रही है कि लॉन्च के बाद, नए अपडेट्स के साथ इसमें कैब बुकिंग, फोटो क्रिएशन और स्मार्ट रीजनिंग जैसे फीचर्स लाइव किए जाएंगे. भावेश अग्रवाल के मुताबिक, टीम दिन-रात मेहनत कर रही है ताकि भारत को एक ऐसा AI दिया जा सके जो दुनिया के किसी भी बड़े मॉडल को टक्कर दे सके.

जनरल नॉलेज

जेल में अंडा सेल को क्यों कहते हैं सबसे ज्यादा भयानक, क्या है इसकी वजह?

> अमेरिका से प्रत्यर्पित किए गए तहव्वुर राणा को तिहाड़ जेल की खतरानाक अंडा सेल में रखा जाएगा. क्यों कहा जाता है अंडा सेल को सबसे खतरनाक. चलिए आपको बताते हैं पूरी जानकारी.

कल यानी 10 अप्रैल को भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अमेरिका से 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत ले आई. एनआईए ने तहव्वुर राणा को कल देर रात पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया. तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडा नागरिक है. वह 26/11 आतंकी हमले के आरोपी डेविड कोलमैन हेडली का सहयोगी है.

भारत में तहव्वुर राणा को तिहाड़ जेल की अंडा सेल में रखा जाएगा. यह वही सेल है जहां 26/11 आतंकी हमले का इकलौता जिंदा पकड़ा गया आतंकी अजमल आमिर कसाब को रखा गया था. अंडा सेल को बेहद खतरनाक माना जाता है. यहां से किसी भी अपराधी का एस्केप लगभग नामुमकिन है. तो बाहर से भी उस पर हमला होने की कोई गुंजाइश नहीं है. चलिए आपको बताते हैं. जेल की अंडा सेल के बारे में.

क्यों कहा जाता है इसे अंडा सेल? - अंडा सेल का नाम सुनते ही सबसे पहले लोगों के दिमाग में जो सवाल आता है. वह आता है इसका नाम अंडा सेल क्यों पड़ा. तो आपको बता दें इसके पीछे बहुत सरल सी वजह है. जेल की इस सेल का आकार यानी शेप किसी अंडे के जैसा होता है और इसी वजह से इसे अंडा सेल का नाम दिया गया है.

कुख्यात आरोपियों को और हाई प्रोफाइल अपराधियों को इस अंडा सेल में रखा जाता है. इसे सेल को स्पेशली इन क्रिमिनल्स के लिए ही डिजाइन किया गया है. दिल्ली की तिहाड़ जेल में मौजूद अंडा सेल. भारत की सबसे सुरक्षित सेल में से एक मानी जाती है.

क्यों कहा जाता है इसे सबसे खतरनाक? - जेल की यह सेल सबसे सेफ होने के साथ-साथ सबसे खतरनाक भी कही जाती है. इस सेल में बिजली नहीं होती. जो भी कैदी इसमें रहते हैं. उन्हें अंधेरे में ही रखा जाता है. इसके अलावा कैदियों को इस सेल में कोई सुविधा नहीं दी जाती. उनको सोने के लिए सिर्फ एक बिस्तर दिया जाता है. तो वहीं सेल के बाहर इलेक्ट्रिक फेंसिंग होती है.

अंदर और बाहर दोनों ओर सुरक्षा कर्मी भी तैनात रहते हैं. इतना ही नहीं यह अंडा सेल बम प्रूफ होती है. यानी बम का हमला भी इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता. आपको बता दें सिर्फ तिहाड़ जेल में ही अंडा सेल नहीं है. बल्कि देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित सेंट्रल जेलों में भी अंडा सेल है.

हूतियों के कहर से यूएई को बचाएगा भारत का ब्रह्मास्त्र, राजनाथ सिंह ने दुबई के क्राउन प्रिंस को दिया ऑफर

एजेंसी अबू धाबी

भारत ने मंगलवार को खाड़ी के दोस्त देश संयुक्त अरब अमीरात को आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली देने की पेशकश की। भारत ने ये पेशकश रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के उप प्रधानमंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के बीच बैठक के दौरान की गई। यूएई को यह ऑफर ऐसे समय दिया गया है, जब खाड़ी देश के सामने यमन के हूती विद्रोहियों के रूप में सबसे बड़ा खतरा सामने खड़ा है। ऐसे में भारत का ब्रह्मास्त्र आकाश उसके लिए बहुत मददगार साबित हो सकता है। इसके पहले भारत आर्मेनिया को आकाश मिसाइल का निर्यात कर चुका है। स्वदेशी निर्मित आकाश मिसाइल सिस्टम को भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) ने बनाया है। यह एक मध्यम दूरी की सतह से हवा (SAM) सिस्टम है, जो 25 किलोमीटर की दूरी पर हवाई खतरों को खत्म कर कर सकती है। इसे फाइटर जेट्स, क्रूज मिसाइल और ड्रोन जैसे हवाई खतरों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। मैक 2.5 की रफ्तार से यह 18 किलोमीटर की ऊंचाई तक के लक्ष्यों को ध्वस्त करने की क्षमता रखता है। यमन के हूती यूएई बीते एक साल से भी ज्यादा समय से लाल सागर में जहाजों के लिए खतरा बने हुए हैं। बीते 15 मार्च से अमेरिकी सेना लगातार हूतियों के ठिकानों पर बमबारी कर रही है, लेकिन हूती झुकते नजर नहीं आ रहे हैं। हूतियों ने अमेरिकी नौसैनिक जहाजों और इजरायल तक पर हमले किए हैं। इस बीच रिपोर्ट हैं कि हूती अपने हमले का विस्तार यूएई तक कर सकते हैं। हूतियों की क्षमता देखते हुए यह कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। इसके पहले हूती विद्रोही अपनी क्षमता दिखा चुके हैं, जब उन्होंने 17 जनवरी 2022 को ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल करके यूएई पर एक अभूतपूर्व हमला किया था। यह यूएई के बनने के बाद से उस पर इस तरह का पहला हमला था। हालांकि, यूएई ने हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया था, लेकिन इसने देश के लिए हूतियों के खतरे को सामने ला दिया था। 2015 में यमन के संकट के बाद यूएई ने सऊदी के नेतृत्व वाली गठबंधन के साथ यमन में हूतियों के खिलाफ अभियान चलाया था। हालांकि, गठबंधन हूती समूह को सना पर कब्जा करने से नहीं रोक सका। यमन में हूतियों के खिलाफ अभियान में अमीराती लोगों ने कई बलिदान दिए हैं। सना की यमनी सरकार के खिलाफ हूती समूह के तख्तापलट के बाद अब हूतियों का खतरा यमन की सीमाओं से कहीं आगे तक फैल गया है। हूतियों के पास ईरान से हासिल ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइले हैं, जो यूएई तक आसानी से पहुंच सकती है। इसने खतरे को और बढ़ा दिया है। ऐसे में संयुक्त अरब अमीरात को हूतियों से निपटने के लिए मध्यम दूरी के वायु रक्षा प्रणाली की जरूरत होगी। भारत का आकाश इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

रूस क्यों निकालता है विक्ट्री डे परेड, जानें रेड आर्मी ने इस दिन किसे हराया था पीएम मोदी को दिया न्योता

एजेंसी मॉस्को

रूस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 9 मई को मॉस्को में होने वाली विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। इस आमंत्रण की पुष्टि रूस के उप विदेश मंत्री एंड्री रुडेंको ने की है। रुडेंको के हवाले से रूसी समाचार एजेंसी TASS ने कहा, "इस पर काम किया जा रहा है, यह इस साल होना चाहिए। उन्हें निमंत्रण मिला है।" इसका मतलब है कि पीएम मोदी की यात्रा पर दोनों देशों के बीच चर्चा चल रही है, मॉस्को को उम्मीद है कि भारतीय प्रधानमंत्री इस भव्य रूसी सैन्य परेड में शामिल होंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि रूस हर साल विक्ट्री डे परेड क्यों आयोजित करता है और इस दिन सोवियत रेड आर्मी ने किसे हराया था। रूस हर साल दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत विजय की वर्षगांठ मनाता है। इस दिन राजधानी मॉस्को के जाने माने रेड स्क्वॉयर पर एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया जाता है जिसमें रूस अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करता है। इस परेड ने अब वार्षिक कार्यक्रम का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसके लिए रूस पूरे साल जोर-शोर से तैयारी करता है। यह परेड मॉस्को के अलावा रूस के कई शहरों में आयोजित की जाती है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे विश्व युद्ध में 2.7 करोड़ सोवियत नागरिक मारे गए थे जो किसी भी देश में होने वाली सबसे अधिक जनहानि थी। रूसी इस युद्ध को ग्रेट पेट्रिओटिक वॉर के रूप में याद करते हैं। इस दौरान हर सला रूसी राष्ट्रपति इटर्नल फ्लेम वॉर मेमोरियल पर फूल चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धांजलि भी देते हैं। सोवियत रूस के प्रसिद्ध नेता जोसेफ स्टालिन ने 22 जून 1945 को आदेश जारी किया कि जर्मन नाज़ी सेना पर जीतने के मौक पर मॉस्को के रेड स्क्वायर में सेना की ख़ास परेड का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद से ही विक्ट्री डे परेड का सिलसिला शुरू हुआ। पहले ये परेड कुछ सालों में एक बार आयोजित की जाती रही, लेकिन 1995 से इसे हर साल मनाया जाने लगा। हालांकि, बीच में कई बार विशेष परिस्थितियों में इसे रद्द भी किया जा चुका है। 7 मई 1945 को मित्र देशों की सेना के सामने नाज़ियों ने अपने हथियार डाल दिए और बिना शर्त सरेंडर कर दिया। सरेंडर की शर्तों पर बर्लिन के नजदीक 8 मई रात को 22.43 बजे हस्ताक्षर किए गए थे। इस हस्ताक्षर के वक्त रूस में तारीख 9 मई और समय 00.43 बजा था। इस कारण साल 1945 के बाद से हर साल यूरोप के कई देश 8 मई को अपना विक्ट्री डे मनाते हैं, जबकि रूस ने 9 मई को विक्ट्री डे परेड का आयोजन करना शुरू किया। सरेंडर की शर्तों पर हस्ताक्षर से पहले स्टालिन ने 9 मई को विक्ट्री डे मनाने के फैसला किया था।

बांग्लादेश को मोहरा बनाकर चीन और पाकसि्तान ने भारत को घेरा, पाकिस्तानी एक्सपर्ट बोले- चिकन नेक की सुरक्षा खतरे में

एजेंसी इस्लामाबाद

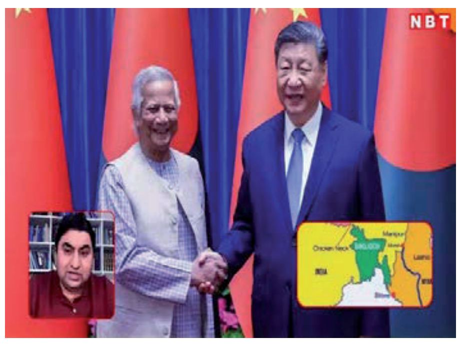

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार गिरने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद भारत को कुछ मुश्किल का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार ने लगातार चीन और पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाई है, जिससे भारत के सामने पूर्वोत्तर में सुरक्षा चुनौतियां बढ़ गई हैं। मोहम्मद यूनुस के हालिया चीन दौरे के बाद दिल्ली की फिक्र खासतौर से बढ़ी है क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर चीन को बांग्लादेश में एयरबेस स्थापित करने का न्योता दिया है। चीन बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में एयरबेस बना सकता है, जो भारत की सुरक्षा के लिहाज से अहम सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के पास है। इस पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तानी राजनीतिक टिप्पणीकार कमर चीमा ने प्रतिक्रिया दी है। कमर चीमा ने कहा है कि हालिया घटनाक्रम से साफ है कि भारत, चीन और बांग्लादेश के बीच बहुत कुछ पक रहा है। इंडिया को इंटेलीजेंस मिली है कि चीन लालमोनिरहाट में एयरबेस बना रहा है। इसका सीधा मतलब है कि चिकननेक और भारत की सुरक्षा खतरे में पड़ती है। चीनी यहां आते हैं तो वह भारत के पश्चिम बंगाल के करीब आ जाएंगे। साथ ही चीन की नेपाल और दूसरे देशों तक भी पहुंच बढ़ जाएगी। यानी पूरे इलाके में वह मजबूत हो जाएगा। कमर चीम ने कहा, मोहम्मद यूनुस के चीन दौरे पर एयरबेस को लेकर बात हुई है। हो सकता है कि हसीना के टाइम पर भी ये कोशिश हुई तो लेकिन तब कामयाब ना मिल सकी हो। इंडिया की एजेंसिया इस बात को लेकर फिक्र में है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और चीन में एक गठजोड़ बनता जा रहा है। इसको भारत नजरअंदाज नहीं कर सकता है। इंडिया की फिक्र इसलिए ज्यादा है क्योंकि बांग्लादेश का रुख अब पहले जैसा नहीं है। चीमा कहते हैं कि चीन के बांग्लादेश में एयरबेस बनाने से ऐसा नहीं है कि वह कोई भारत पर महला नहीं कर देगा लेकिन इससे संकेत बहुत बड़ा जाता है। ये इंडिया में एक पैनिक करता है कि चीनीआपकी दहलीज पर बैठे हैं। हालांकि इंडिया भी इस क्षेत्र में लगातार अपनी ताकत को बढ़ा रहा है। भारत के पास पहले से सबमरीन और जंगी जहाज हैं और वह इनको और भी बढ़ा रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार कमर ने आगे कहा कि इंडिया एक ताकतवर देश है। वहीं बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देश चीन के सहारे अपनी मजबूती दिखाना चाहते हैं।इससे एक दिलचस्प स्थिति इस क्षेत्र में बन रहे हैं। चीमा ने कहा, 'चीन की हिंद महासागर में उपस्थिति बढ़ रही है। चीन से हिंद महासागर में मुकाबले के लिए भारत को अमेरिका से मदद की उम्मीद होगी लेकिन ट्रंप तो ने यूरोप को ही हड़का दिया है, फिर दिल्ली कैसे वॉशिंगटन पर भरोसा कर सकती है। मुझे लगता है कि चीन से लड़ाई हुई तो अमेरिका का साथ भारत को नहीं मिलेगा, उसे खुद ही लड़ना होगा। भारत को रूस से हमेशा मदद मिली है लेकिन मुश्किल ये है कि चीन और रूस भी दोस्त हैं।

चीनी J-36, J-50 या अमेरिकी F-47... छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में कौन मारेगा बाजी, ट्रंप और जिनपिंग में जंग

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने F-47 नाम के नेक्स्ट जेनरेशन के लड़ाकू विमान को बनाने की मंजूरी दी थी। उन्होंने इस दौरान दावा किया था कि यह दुनिया का "पहला छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान" होगा। हालांकि, चीन अमेरिका से काफी तेज गति से अपने छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान का कार्यक्रम चला रहा है। मार्च में बोइंग को F-47 के डेवलपमेंट की जिम्मेदारी देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, "मेरे निर्देश पर, अमेरिकी वायु सेना दुनिया के पहले छठी पीढ़ी के लड़ाकू जेट के साथ आगे बढ़ रही है। दुनिया का पहला छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान, दुनिया में कुछ भी इसके करीब नहीं आता है, और इसे F-47 के रूप में जाना जाएगा।" दुनिया का पहला छठी पीढ़ी का लड़ाकू जेट ट्रंप की घोषणा में मुख्य शब्द था, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि पेंटागन ने इसे कैसे हासिल करने की योजना बनाई है। अमेरिका ने 2020 में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के पूर्ण पैमाने के प्रोटोटाइप को उड़ाया था, जिसे नेक्स्ट जनरेशन एयर डोमिनेंस (NGAD) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में विकसित किया गया था। हालांकि, इसके बाद विकास का काम धीमा पड़ गया। अब ट्रंप ने इस बात को फिर से दोहराया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विमान का एक प्रायोगिक संस्करण लगभग पांच वर्षों से उड़ान भर रहा है। वास्तव में, रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है कि तीन प्रोटोटाइप, जिनमें से प्रत्येक कंपनी ने नेक्स्ट जनरेशन एयर डोमिनेंस कार्यक्रम में भाग लिया था, जिसमें बोइंग, लॉकहीड मार्टिन और नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन शामिल हैं, संभवतः सभी ने उड़ान भरी है। हालांकि, कार्यक्रम की गोपनीय प्रकृति के कारण इसे आधिकारिक रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका है। अमेरिका का मुख्य प्रतिद्वंद्वी, चीन कई वर्षों से अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों पर काम कर रहा है और पहले ही अपने छठी पीढ़ी के विमान प्रोटोटाइप की कई परीक्षण उड़ानें आयोजित कर चुका है। दिसंबर 2024 में, चीन ने छठी पीढ़ी के दो लड़ाकू प्रोटोटाइप, J-36 और J-50 उड़ाए, जिससे दुनिया आश्चर्यचकित हो गई। जे-36 को कथित तौर पर चेंगदू एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (CAC) द्वारा विकसित किया जा रहा है, जबकि जे-50 को शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (SAC) द्वारा विकसित किया जा रहा है। कुछ सैन्य पर्यवेक्षकों का मानना है कि ट्रंप द्वारा अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के लिए कॉन्ट्रैक्ट देना, जिसे पिछले साल रोक दिया गया था, चीनी जे-36 और जे-50 की उपस्थिति के कारण प्रेरित हो सकता है। ट्रंप के इस दावे के बाद से कि अमेरिका छठी पीढ़ी के विमान को उड़ाने वाला पहला देश होगा, चीन के छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की परीक्षण उड़ानों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, भले ही चीन में प्रमुख सैन्य प्रणालियों का विकास और परीक्षण आमतौर पर एक बहुत ही गुप्त रहस्य है। उदाहरण के लिए, 8 अप्रैल को, शेनयांग छठी पीढ़ी के प्रोटोटाइप विमान की उड़ान का नया फुटेज सोशल मीडिया पर प्रकाशित हुआ था। इंटरनेट पर सैन्य पर्यवेक्षकों ने विमान का नाम जे-50 रखा है, लेकिन इसका नाम अभी भी गुप्त है। यह पहली बार 26 दिसंबर, 2024 को चेंगदू जे-36 के देखे जाने के कुछ समय बाद दिखाई दिया।

चीनी सेना भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार... अमेरिका ने गिराया 104 प्रतिशत का 'टैरिफ परमाणु बम' तो बदले PLA के सुर

एजेंसी बीजिंग

चीन इस समय अमेरिका के साथ भीषण ट्रेड वॉर में उलझा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 104 फीसदी कर दिया है। इससे भारत को लेकर भी चीनी सरकार और सेना के रुख में नरमी आ गई है। चीनी सरकार ने अमेरिकी टैरिफ का मुकाबला करने के लिए भारत से समर्थन मांगा है। वहीं चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उनके देश की आर्मी भारतीय सेना के साथ मिलकर काम करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करना चाहती है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने बुधवार को कहा कि चीन और भारत के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने भारतीय राष्ट्रपति साथ बधाई संदेशों का आदान-प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि दो प्राचीन सभ्यताओं, प्रमुख विकासशील देशों और वैश्विक दक्षिण के महत्वपूर्ण सदस्यों के रूप में चीन और भारत आधुनिकीकरण के अहम दौर में हैं। झांग ने आगे कहा कि चीनी सेना दोनों देश के नेताओं की आम सहमति को लागू करने, संचार और रणनीतिक आपसी विश्वास को मजबूत करने, सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की रक्षा करने में विश्वास रखती है। चीनी आर्मी एक स्वस्थ और स्थिर सैन्य-सैन्य संबंध को बढ़ावा देने और क्षेत्र और उससे आगे शांति बनाए रखने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है। भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने भी भारत से संबंधों पर बयान दिया है। अमेरिका की टैरिफ कार्रवाइयों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भारत और चीन को दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में अमेरिकी टैरिफ कार्रवाइयों के खिलाफ एक साथ खड़े होने चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन-भारत आर्थिक और व्यापारिक संबंध पूरकता और पारस्परिक लाभ पर आधारित हैं। ऐसे में दो सबसे बड़े विकासशील देशों को कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक साथ खड़ा होना चाहिए।

तहव्वुर राणा का डेविड हेडली से कनेक्शन, आज भारत आ रहा 26/11 मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड

एजेंसी वॉशिंगटन

मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को भारत लाया जा रहा है। तहव्वुर राणा ने ही डेविड हेडली को भारत भेजकर मुंबई के ताज होटल समेत कई जगहों की रेकी करवाई थी। पाकिस्तानी आर्मी में रहा राणा और हेडली पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक मेजर के संपर्क में थे। वह मेजर भी अब विदेश में कहीं है। साजिश के तहत राणा पाकिस्तान छोड़कर कनाडा गया। वहां इमिग्रेशन ऑफिस चलाने के झांसे के बाद अमेरिका चला गया। वह तब से वहीं रह रहा था। अब ताजा खुलासा हुआ है कि तहव्वुर राणा और डेविड हेडली के बीच नजदीकी संबंध था। इंडिया टुडे टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के डोजियर में तहव्वुर राणा और डेविड हेडली के बीच संबंधों का ब्योरा दिया गया है। डोजियर में बताया गया है कि पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा के संपर्क में था और 26/11 हमलों से पहले भारत की अपनी आठ यात्राओं के दौरान उसे 231 बार कॉल किया था। 14 सितंबर, 2006 को टोह लेने के लिए अपनी पहली भारत यात्रा के दौरान हेडली ने राणा को 32 से अधिक बार कॉल किया था। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के रूप में काम करता था। बाद में वह हेडली के साथ मिलकर काम कर रहा था, जो 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक था। इस हमले में 166 लोग मारे गए थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि हेडली ने अपनी दूसरी यात्रा के दौरान राणा को 23 बार, अपनी तीसरी यात्रा के दौरान 40 बार, अपनी पांचवीं यात्रा के दौरान 37 बार, अपनी छठी यात्रा के दौरान 33 बार और अपनी आठवीं यात्रा के दौरान 66 बार कॉल किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर यह कहे जाने के बमुश्किल दो महीने बाद कि उनकी सरकार ने "बेहद दुष्ट" राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है, 26/11 हमले का आरोपी आखिरकार कानूनी कार्यवाही का सामना करने के लिए कल सुबह भारत पहुंच जाएगा। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, तहव्वुर राणा ने भारत में आतंकवादी हमलों को संगठित करने की आपराधिक साजिश को पूरा करने के लिए डेविड हेडली और अन्य सह-षड्यंत्रकारियों को रसद, वित्तीय और अन्य सहायता प्रदान की। तहव्वुर राणा ने डेविड हेडली, अब्दुर रहमान हाशिम सैयद और इलियास कश्मीरी के साथ मिलकर भारत में भविष्य के हमलों की योजना बनाई और तैयारियां भी कीं। डेविड हेडली के कहने पर ही तहव्वुर राणा ने मुंबई हमले से पहले दुबई में अब्दुर रहमान से मुलाकात की थी। 2005 की शुरुआत में डेविड हेडली ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हूजी के इशारे पर भारत पर हमला करने के लिए लोगों की हत्या और संपत्ति को नष्ट करने के लिए टोही गतिविधियों को अंजाम देने की आपराधिक साजिश रची थी। लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद ने डेविड हेडली को भारत की यात्रा करने और आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए संभावित लक्ष्यों की पहचान करने का निर्देश दिया था। सईद ने डेविड हेडली को तहव्वुर राणा से सहायता लेने और यात्रा के लिए उसके संपर्कों का उपयोग करने और अपनी यात्रा के वास्तविक उद्देश्य को छिपाने का निर्देश दिया। जून 2006 में डेविड हेडली शिकागो गया और तहव्वुर राणा के साथ पूरी साजिश पर चर्चा की। डेविड हेडली ने तहव्वुर राणा की सहायता ली और लश्कर द्वारा सौंपे गए काम को अंजाम देने के लिए उसकी इमिग्रेशन फर्म 'फर्स्ट वर्ल्ड इंटरनेशनल' का इस्तेमाल किया।

केकेआर ने एकतरफा मुकाबले में सीएसके को 8 विकेट से हराया

कोलकाता, एजेंसी | आईपीएल 2025 के 25वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने एकतरफा मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेटों से मात दी है. केकेआर के लिए सुनील नरेन ने सबसे ज्यादा 18 गेंदों में 44 रन बनाए. क्विंटन डीकॉक ने 16 गेंदों में 23 रनों का योगदान दिया. इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे की 17 गेंदों में 20 रन और रिंकू सिंह की 12 गेंदों में 15 रन की नाबाद पारी की वजह से 10.1 ओवर में दो विकेट खोकर 104 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया. सीएसके के लिए नूर अहमद और अंशुल कंबोज ने एक-एक विकेट लिए. इससे पहले सीएसके ने शिवम दुबे की 29 गेंदों में 31 रन और विजय शंकर की 21 गेंदों में 29 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 103 रन बनाए थे. केकेआर के लिए सुनील नरेन ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए थे. वहीं वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा को दो-दो विकेट मिले थे.

लखनऊ बनाम गुजरातः पूरन और सिराज में दिख सकता है दिलचस्प मुकाबला

लखनऊ, एजेंसी | लखनऊ सुपर जॉइंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है।

लखनऊ की भीषण गर्मी में इन दोनों टीम के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। गुजरात टाइटंस ने लगातार चार मैच जीते हैं और वह नेट रन रेट बेहतर होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स से ऊपर पहले स्थान पर है। इन दोनों टीम के समान आठ अंक हैं।

इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। लखनऊ की टीम में पूरन ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 288 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 225 है जो किसी भी विरोधी टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है। वेस्टइंडीज के इस बल्लेबाज ने अभी तक 25 चौके और 24 छक्के लगाए हैं।

लेकिन गुजरात के खिलाफ मैच में उन्हें सिराज की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। इस तेज गेंदबाज ने पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके नाम पर पांच मैच में 10 विकेट दर्ज हैं। उनका इकोनॉमी रेट भी 7.70 है।

सिराज पर पावर प्ले में बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होगा तथा सलामी बल्लेबाजों एडेन माक्ररम और मिशेल मार्श को भी उन्हें खेलते समय सावधान रहना होगा।

टाइटंस को व्यक्तिगत कारण से स्वदेश लौटने वाले तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की अभी तक कोई खास कमी नहीं खली है क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा ने सिराज का अच्छी तरह से साथ दिया है। बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम के मुख्य स्पिनर राशिद खान पर भी हावी हो गए हैं।

राशिद ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी करके लय हासिल करने के संकेत दिए थे। अगर वह अपना यह प्रदर्शन जारी रखते हैं तो लखनऊ के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल पैदा हो सकती है।

दोनों टीमों के लिए अपने कप्तान की फॉर्म चिंता का विषय होगी। शुभमन गिल और ऋषभ पंत दोनों कुशल बल्लेबाज हैं लेकिन आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपनी छाप छोड़ने में अभी तक नाकाम रहे हैं।

गिल ने आईपीएल के 2023 के सत्र में 890 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मौजूदा सत्र में वह अभी तक केवल 148 रन बना पाए हैं। बी साईं सुदर्शन (273) और जोस बटलर (203) ने अभी तक टाइटंस की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है।

लखनऊ ने ऋषभ पंत को रिकॉर्ड 27 करोड रुपए में खरीदा था लेकिन उन्होंने अभी तक चार पारियों में केवल 19 रन बनाए हैं। अगर गिल और पंत अपनी वास्तविक फॉर्म में लौट आते हैं तो फिर लखनऊ के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन होना तय है।

टीम इस प्रकार हैंः गुजरात टाइटंसः बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़, करीम जनत।

लखनऊ सुपर जाइंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ। प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई। मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

पंजाब किंग्स के खिलाफ दमदार वापसी करना चाहेगा सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद, एजेंसी | पहले मैच में धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद जीत हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में दमदार वापसी करने के लिए बेताब होगी।

पिछले साल के उप विजेता सनराइजर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर 44 रन से शानदार जीत हासिल की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाज कुंद पड़ गए जिसका असर परिणाम पर भी साथ देखने को मिल रहा है।

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिए मशहूर सनराइजर्स की टीम पिछले तीन मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसने इन मैच में 163, 120 और 152 रन ही बनाए। बल्लेबाजों की नाकामी के कारण उसे इन मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया।

सनराइजर्स के पास ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं लेकिन पिछले कुछ मैच में अति आक्रामकता के कारण उन्हें अपने विकेट गंवाने पड़े।

पिछले साल सनराइजर्स की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हेड और अभिषेक इस बार अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाए हैं। वर्तमान सत्र में इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 15 रन की है।

हेड के प्रदर्शन में आश्चर्यजनक रूप से गिरावट आई है। वह अभी तक पांच पारियों में 67, 47, 22, 04 और 08 रन ही बना पाए हैं। अभिषेक की बल्लेबाजी में भी निरंतरता का अभाव है। मौजूदा सत्र में उनका सर्वोच्च स्कोर 24 रन है।

किशन ने पहले मैच में नाबाद शतक लगाया था लेकिन इसके बाद वह अपने इस प्रदर्शन को जारी नहीं रख पाए। सनराइजर्स के मध्यक्रम के मुख्य बल्लेबाज क्लासेन भी अभी तक उम्मीद पर खरा नहीं उतरे हैं।

सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा कि उनकी टीम अपने आक्रामक अंदाज को नहीं छोड़ेगी।

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि हम जानते हैं कि हमने अपनी इस शैली के दम पर जीत हासिल की हैं लेकिन हमें परिस्थितियों का सम्मान करना होगा। हमें परिस्थितियों का अच्छी तरह से आकलन करना होगा जैसा कि हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।''

सनराइजर्स के लिए बल्लेबाजी नहीं गेंदबाजी भी चिंता का विषय है। उसके गेंदबाजों ने अभी तक काफी रन लुटाए हैं। कप्तान पैट कमिंस, मोहम्मद शमी और हर्शल पटेल जैसे गेंदबाज अभी तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। उसके स्पिन गेंदबाजों को बीच के ओवरों में संघर्ष करना पड़ रहा है।

इस के विपरीत पंजाब किंग्स ने नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। यह भारतीय बल्लेबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। उसको प्रियांश आर्य के रूप में विस्फोटक सलामी बल्लेबाज मिला है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में शतक जड़ा था।

पंजाब के गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, युजवेंद्र चहल और मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

टीम इस प्रकार हैंः सनराइजर्स हैदराबादः पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, एडम ज़म्पा, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट और ईशान मलिंगा।

पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई मैच शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

व्यापार

अमेरिकी टैरिफ से राहत के बीच बाजार में रिकवरी; सेंसेक्स 1310 अंक चढ़ा, निफ्टी 22800 पार

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिका की ओर से दुनियाभर के देशों के खिलाफ लगाए गए जवाबी टैरिफ को इस साल 9 जुलाई तक टालने के बाद घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन रिकवरी दिखी। शुक्रवार को बेंचमार्क सेंसेक्स 1,310 अंक चढ़कर बंद हुआ। दूसरी ओर, जबकि निफ्टी 22,900 के स्तर से ऊपर पहुंच गया।

वैश्विक बाजारों में जारी मंदी के रुख को दरकिनार करते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,310.11 अंक या 1.77 प्रतिशत उछलकर 75,157.26 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,620.18 अंक या 2.19 प्रतिशत बढ़कर 75,467.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 429.40 अंक या 1.92 प्रतिशत बढ़कर 22,828.55 अंक पर पहुंच गया। दिनभर के कारोबार में बेंचमार्क 524.75 अंक या 2.34 प्रतिशत बढ़कर 22,923.90 अंक पर पहुंच गया।

2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका को माल निर्यात करने वाले लगभग 60 देशों पर जवाबी टैरिफ लगा दिया था। इसी कड़ी में भारत पर भी 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात कही गई थी। अमेरिका के इस एलान से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में झींगा से लेकर इस्पात तक के उत्पादों की बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है।

शुक्रवार के कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी पोर्ट्स सर्वाधिक लाभ में रहे। केवल एशियन पेंट्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर ही गिरकर बंद हुए।

गूगल ने एंड्रॉयड, पिक्सल और क्रोम टीमों से सैकड़ों लोगों को निकालाः रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी | ये घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ महीनों पहले ही कंपनी ने जनवरी में इस इकाई के श्रमिकों को स्वैच्छिक खरीद की पेशकश की थी, जो संगठन के भीतर चल रहे संरचनात्मक परिवर्तनों का संकेत था। द इन्फॉर्मेशन के अनुसार, गूगल के प्रवक्ता ने कहा है कि छंटनी कंपनी को अधिक कुशल और लचीला बनाने के प्रयासों का हिस्सा है।

टेक्नोलॉजी दिग्गज गूगल ने बड़ा कदम उठाया है। गूगल ने अपने प्लेटफॉर्म व डिवाइस विभाग से सैंकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। जिन विभागों से कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है उसमें एंड्रॉयड सॉफ्टवेयर, पिक्सल स्मार्टफोन और क्रोम ब्राउज़र के कर्मचारी शामिल है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कंपनी ने हाल ही में अपने श्रमिकों को स्वैच्छिक खरीद की पेशकश की थी, जो संगठन में बड़े बदलावों की ओर इशारा करती है। यह बदलाव कंपनी की रणनीति और भविष्य की योजनाओं को दर्शाता है।

टीम विलय के बाद दक्षता में वृद्धि - बता दें कि ये घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ महीनों पहले ही कंपनी ने जनवरी में इस इकाई के श्रमिकों को स्वैच्छिक खरीद की पेशकश की थी, जो संगठन के भीतर चल रहे संरचनात्मक परिवर्तनों का संकेत था। द इन्फॉर्मेशन के अनुसार, गूगल के प्रवक्ता ने कहा है कि छंटनी कंपनी को अधिक कुशल और लचीला बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। यह बदलाव कंपनी को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करने के लिए किया जा रहा है। यह बदलाव पिछले साल प्लेटफॉर्म और डिवाइस टीमों को मिलाने के बाद किया गया है, जिसका उद्देश्य काम को अधिक सुव्यवस्थित और कुशल बनाना है। रिपोर्ट की मानें तो इस प्रयास के जरिए पहले की गई स्वैच्छिक निकासी कार्यक्रम के अतिरिक्त कुछ नौकरियों में कटौती हुई है।

बाजार की बदलती स्थिति के बीच कटौती- ये छंटनी कितने कर्मचारियों की हुई है इसकी सटीक संख्या सामने नहीं आई है। यह कदम गूगल में लागत नियंत्रण और परिचालन को सुव्यवस्थित करने की बड़ी योजना को दर्शाता है। किसी अन्य कंपनी की तरह गूगल भी बदलती हुई व्यावसायिक जरूरतों और आर्थिक ताकतों के दबाव वाले फोकस को पूरा करने के लिए कार्यबल में बदलाव कर रहा है।

इस साल और कम हो सकती है आपके कार और होम लोन की ईएमआई, जानें क्या है बड़ी वजह

आरबीआई रेपो रेट में एक कटौती इस महीने पहले ही कर चुका है. रेपो में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती के बाद इसे 6 प्रतिशत कर दिया गया है.

नई दिल्ली, एजेंसी | घर और कार लोन लेने वालों को इस साल ईएमआई में और राहत मिल सकती है. इसकी वजह है अमेरिका की तरफ से बढ़ाए गए टैरिफ की वजह से उपजी वैश्विक अनिश्चतता. ऐसे में आरबीआई की तरफ से रेपो रेट को और कम किए जाने की संभावना है. अर्थशास्त्रियों का ये मानना है कि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक रफ्तार में कमी की चिंता और महंगाई के चलते आगे रेपो रेट कम करने की आरबीआई की तरफ से और पहल की जा सकती है.

यानी अमेरिका और चीन के ट्रेड वॉर के और बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर धीमी रफ्तार की आशंका बढ़ सकती है. ऐसे में केन्द्रीय बैंक अपनी नीति में और ढील देते हुए आक्रामक तेवर अपना सकता है.

हाल में एक नोट में Nomura इकॉनॉमिस्ट सोनल वर्मा और अरोदीप नंदी ने कहा, 'ग्रोथ को बरकरार रखने के लिए तेल की बढ़ती कीमतें और महंगाई को काबू में करने के लिए नीतिगत बदलाव की जरूरत पड़ सकती है. ऐसे में रेपो रेट 5.00% से 5.50% तक जा सकती है.'

आरबीआई रेपो रेट में एक कटौती इस महीने पहले ही कर चुका है और रेपो में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती के बाद इसे 6 प्रतिशत कर दिया है. हालांकि, आरबीआई ने जीपीडी और महंगाई दोनों में कमी का अनुमान लगाया है. जीपीडी 6.5 प्रतिशत तो वहीं महंगाई दर 4 प्रतिशत बने रहने का अनुमान लगाया गया है.

लेकिन, जानकार ये मानते हैं कि इसमें और गुंजाइश बची है. Nomura का ये मानना है कि इस साल करीब 100 प्वाइंट्स की राहत दी जा सकती है. यानी हर क्वार्टर के दौरान पॉलिसी बैठक में जून, अगस्त, अक्टूबर और दिसंबर के दौरान राहत के लिए कदम उठाए जा सकते हैं. आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ये माना है कि आर्थिक रफ्तार पर व्यापारिक तनाव को कम करना काफी मुश्किल होगा. लेकिन कई अर्थशास्त्री ये मानते है कि राहत उम्मीद से रहीं बढ़कर दी जा सकती है.

ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का ये मानना है कि इस साल 50 बेसिस प्वाइंट की रेपो रेट में और कटौती हो सकती है. यानी उपभोक्ता के लिए गुड न्यूज़ होगी- कम ब्याज दर, सस्ता लोन और मासिक ईएमआई में थोड़ी कमी.

'आखिर तक लड़ेंगे', ट्रंप के कदम के बाद चीन का और बड़ा पलटवार, अब 125% टैरिफ वाली दागी मिसाइल

चीन ने शुक्रवार को अमेरिका पर पलटवार करते हुए यहां से आयात होने वाले सामानों पर टैरिफ को 84 परसेंट से बढ़ाकर 125 परसेंट कर दिया है.

नई दिल्ली, एजेंसी | दुनिया की दो आर्थिक महाशक्तियों के बीच तनाव और बढ़ता जा रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को चीन से आयात होने वाले सामानों पर टैरिफ को 125 प्रतिशत से बढ़ाकर कुल 145 प्रतिशत कर दिया. अमेरिका के इस कदम से भड़के ड्रैगन ने शुक्रवार को अब तक का सबसे बड़ा पलवाटर किया है. चीन ने अमेरिका से आयात होने वाले सामानों पर टैरिफ की दरें बढ़ाकर 84 प्रतिशत से 125 प्रतिशत कर दिया है.

'एक तरफा धमका रहा अमेरिका'

चीन की इसी कार्रवाई के साथ दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर का खतरा और बढ़ गया है. चीन के वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी किए गए एक बयान में कहा, ''अमेरिका का चीन पर असामान्य रूप से इतना ज्यादा टैरिफ लगाना वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय और आर्थिक व्यापार नियमों, बुनियादी आर्थिक कानूनों का उल्लंघन है. यह एक तरफा धमकाना और जोर-जबरदस्ती है.''

इसका भयानक हो सकता है असर

चीनी वित्त मंत्रालय ने आगे कहा, अगर अमेरिका वहां भेजे जा रहे चीनी सामानों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाना जारी रखता है, तो चीन उसे इग्नोर कर देगा. यूनाइटेड नेशंस की ट्रेड एजेंसीके डायरेक्टर ने शुक्रवार को रॉयटर्स को बताया कि रेसिप्रोकल टैरिफ और इस पर जवाबी कार्रवाई का असर काफी भयावह हो सकता है. यह विकासशील देशों को दी जाने वाली विदेशी सहायता से भी बदतर है. इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर ने कहा, इससे ग्लोबल ट्रेड 3-7 परसेंट और जीडीपी 0.7 परसेंट तक कम हो सकती है. इसका असर विकासशील देशों पर सबसे अधिक पड़ सकता है. चीन ने विश्व व्यापार संगठन के पास टैरिफ को लेकर अमेरिका के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है.

ग्लोबल मार्केट में दिख रहा टैरिफ वॉर का असर

चीन ने विश्व व्यापार संगठन के पास टैरिफ को लेकर अमेरिका के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है. इधर, चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर से शेयर मार्केट निवेशक चिंता में हैं. चीन ट्रंप के हर एक कदम पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है और टैरिफ लगातार बढ़ाता जा रहा है. इससे ग्लोबल मार्केट में हलचल मची हुई है.

दुनियाभर के शेयर मार्केट से चंद दिनों में 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का सफाया हो चुका है. सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिकी शेयर मार्केट को ही हुआ है. 'मैग्नीफिसेंट सेवन' के नाम से जाने जाने वाले एप्पल, गूगल, एनवीडिया, मेटा, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और टेस्ला को पिछले गुरुवार से अब तक 1.6 ट्रिलियन डॉलरका नुकसान हो चुका है.

पेट में पहुंचते ही कमाल दिखाएगी अजवाइन

हमारी रसोई के अंदर कितने मसाले मौजूद हैं। जिन्हें खाने को टेस्टी बनाने के लिए डाला जाता है। मगर क्या आप ने सोचा है कि सही तरीके से अगर इन मसालों का उपयोग किया जाए तो ये दवा बन सकते हैं। आयुर्वेद में इन्हें जड़ी-बूटी की तरह बताया गया है।

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि अजवाइन को यवानी कहा जाता है, जिससे 11 बीमारियों का नाश किया जा सकता है। लेकिन इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका आपको जरूर मालूम होना चाहिए। आइए जानते हैं कि अजवाइन के पत्तों या बीजों को दवा कैसे बना सकते हैं?

अजवाइन के बेहतरीन फायदे

- पाचन तंत्र तेज करता है
- भूख और स्वाद बढ़ाता है
- ब्लोटिंग और स्टमक क्रैम्प का इलाज
- पेट के कोलिक पेन से राहत
- पेट में पानी भरने पर असरदार
- पेट के कीड़े मारता है
- टॉक्सिन निकालता है
- खांसी में कारगर
- पीरियड्स के दर्द से राहत
- हाइपरटेंशन से राहत
- वात-कफ दोष में संतुलन लाता है

अजवाइन का पहला उपयोग

- बंद नाक, साइनस, कोल्ड-फ्लू के लिए अजवाइन की भाप ले सकते हैं।
- अजवाइन की कुछ पत्तियां, 1 चम्मच अजवाइन के बीज का तेल उबलते पानी में डालें।
- फिर सिर पर तौलिया रखकर इसकी भाप लें।
- दिन में 2 से 3 बार स्टीम लें।
- इससे फेफड़े खुल जाते हैं और सूजन कम होती है।

अजवाइन का दूसरा इस्तेमाल

- पेट की समस्या, ब्लोटिंग, भारीपन, कमजोर पाचन में इसका काढ़ा पीएं।
- 1 चम्मच अजवाइन के बीज लें।
- इसे 1 गिलास पानी में डालकर उबाल लें।
- फिर इस मिक्सचर को छानकर घूंट-घूंट करके पीएं।
- लेकिन इसे रोजाना ना करें और दिक्कत होने पर ही पीएं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी क्या है? जानें सेहत के लिए यह कैसे है खतरनाक

घरों में नमी के कारण दीवार पर फंगस जमा हो जाते हैं, इसके कारण होने वाली समस्याओं को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

हाइजीन की कमी, बैक्टीरिया और फंगस की वजह से शरीर बीमारियों की चपेट में आ सकता है। घरों में सफाई न होने, नमी या सीलन बनी रहने के कारण भी आप फंगस के संपर्क में या सकते हैं। इसकी वजह से कई गंभीर समस्याओं का खतरा भी रहता है। अक्सर घर के किचन, बाथरूम, सिंक आदि के पास दीवार में नमी हो जाती है। इसकी वजह से दीवार पर सफेद या गहरे रंग के झाग जैसे फाहे जम जाते हैं। यह एक तरह का नुकसानदायक कवक और बैक्टीरिया होता है, जिसकी वजह से गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है। इसी को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षण

मोल्ड एक प्रकार का कवक होता है जो सतहों पर विकसित होता है, जैसे कि फसल, कागज, दीवार या जमीन। यह आमतौर पर गर्म और आर्द्र के कारण होता है और इसकी वजह से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। मोल्ड के संपर्क में आने से कई तरह की एलर्जी और इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इसकी वजह से नाक, कान और गले में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के कुछ प्रमुख लक्षण इस तरह से हैं-

सांस लेने में दिक्कत

यह एक सामान्य लक्षण है जो मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर दिखता है। व्यक्ति को आसानी से सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और सांस लेने के दौरान गले में खराश या कफ भी हो सकता है।

नाक से जुड़ी दिक्कतें

जलवायु और वायरल संक्रमण की तरह, मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर भी नायक से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें नाक में खुजली, जलन, और बंद नाक शामिल हो सकते हैं।

स्किन से जुड़ी समस्याएं

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण व्यक्ति को स्किन पर छाले, चकत्ते, खुजली, दानें आदि हो सकते हैं।

पेट से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण पेट में दर्द, अपच और बदहजमी जैसी समस्याओं का खतरा भी रहता है।

रिस्क फैक्टर

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण मरीज को इन गंभीर खतरों का सामना करना पड़ सकता है-

एलर्जिक रिएक्शन

बहुत से लोग मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर एलर्जिक रिएक्शन का सामना कर सकते हैं, जो नाक, गला, और आंतरिक सिस्टम में खराबी का कारण बनता है।

अस्थमा

मोल्ड टॉक्सिसिटी वाले व्यक्तियों में अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें सांस लेने में कठिनाई और सांस लेने की क्षमता में कमी होती है।

फेफड़ों से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी अगर लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसकी वजह से फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है।

मानसिक समस्याएं

लंबे समय तक के मोल्ड एक्सपोजर के बाद, व्यक्ति में चिंता, डिप्रेशन, या अन्य मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव के लिए आपको इन चीजों का ध्यान रखना चाहिए-

- घर में साफ-सफाई रखें
- सीलन वाली जगहों का विशेष ध्यान दें
- नमी दूर करने के लिए धूप और हवा आने की व्यवस्था करें
- नियमित रूप से दीवारों और घर की सफाई करें

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचने के लिए हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए। साफ-सफाई और नमी को दूर करने से आप मोल्ड टॉक्सिसिटी का शिकार होने से बच सकते हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

अधिकतर भारतीय घरों में काली मिर्च का उपयोग मसाले के रूप में किया जाता है। काली मिर्च खाने को स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाती है। इसके अलावा, काली मिर्च का उपयोग लोग काढ़े के लिए भी करते हैं। आपको बता दें कि काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए अधिकतर लोग गर्मियों में काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से परहेज करते हैं। क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए आपको काली मिर्च का पानी पीने से बचना चाहिए। वैसे तो किसी भी मौसम में काली मिर्च का पानी नहीं पीना चाहिए। लेकिन गर्मियों में तो काली मिर्च के पानी से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। गर्मियों में काली मिर्च का पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकता है। यानी काली मिर्च का पानी सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। इसका सीधे तौर पर सेवन करने से बचना चाहिए।

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन कैसे करें?

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर या अधिक मात्रा में बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आप काली मिर्च के पाउडर को किसी पेय पदार्थ के साथ ले सकते हैं। आपको बता दें कि आप काली मिर्च को खीरा, पुदीना, नींबू या सत्तू के पानी के साथ मिलाकर ले सकते हैं। इसके लिए आप काली मिर्च का पाउडर बनाएं। इसे पेय पदार्थ में मिक्स करें और पी लें। इस तरह से काली मिर्च का सेवन करने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। इससे शरीर को एनर्जी मिलेगी और गर्मी भी नहीं बढ़ेगी।

गर्मियों में काली मिर्च खाने के नुकसान

- गर्मियों में काली मिर्च का सेवन करने से पेट में गर्मी बढ़ सकती है।
- काली मिर्च पेट में जलन या दर्द का कारण बन सकती है।
- इसके अलावा, अगर गर्मियों में काली मिर्च का सेवन किया जाए, तो इससे एसिडिटी या सीने में जलन भी हो सकती है।
- काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से त्वचा पर मुंहासे निकल सकते हैं।
- इससे त्वचा पर खुजली और रेडनेस की समस्या भी हो सकती है।
- आपको भी गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर नहीं करना चाहिए। आप किसी पेय पदार्थ के साथ काली मिर्च का पाउडर ले सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल एक तेजी से बढ़ती समस्या बनता जा रहा है। यह खून में जमा होने वाला एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जिसका लेवल बढ़ने से खून की नसों में ब्लॉकेज आ सकती है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का नुकसान यह है कि यह ब्लड फ्लो को धीमा या रोक सकता है जिससे आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक, दिल के रोग या नसों के रोग होने का जोखिम बढ़ सकता है।

हार्ट अटैक, स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाता है कोलेस्ट्रॉल

अगर बात करें कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षणों की तो कई बार इसके लक्षणों का पता नहीं चल पाता है और जब पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। वैसे हाई कोलेस्ट्रॉल के कुछ लक्षण हैं, जो आपको अपनी आंखों में नजर आ सकते हैं। अगर आपको आंखों से जुड़ी कुछ समस्या महसूस होती है, तो आपको उनकी जांच के साथ कोलेस्ट्रॉल का भी टेस्ट कराना चाहिए।

जलन और बेचैनी होना

यदि आपके आंखों में अक्सर जलन, खुजली या बेचैनी महसूस होती है, तो यह हाई कोलेस्ट्रॉल का एक संकेत हो सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल से खून में धीरे-धीरे खराब फैट की मात्रा बढ़ती है, जिससे आंखों की सतह पर जलन या खुजली का अहसास हो सकता है।

आंखों में सूखापन रहना

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से आंखों की सतह आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं, जैसे आंखों में सूखापन रहना या आंखों का कमजोर होना। यह समस्याएं आंखों की सूजन, खुजली, और पानी आने के कारण हो सकती हैं।

आंखों के पास गांठ बनना

अगर आपकी आंखों के आस-पास किसी भी स्थान पर गांठें हैं, तो यह भी हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हो सकते हैं। वास्तव में हाई कोलेस्टेरॉल से फैट से बनता है और फैट आपकी आंखों के आसपास गांठों के रूप में दिख सकता है। इनके अलावा अगर आपकी आंखों की पुतली में रंग का बदलाव या अंधापन महसूस होता है, तो यह कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक लक्षण है।

कैसे कम करें कोलेस्ट्रॉल

इसके लिए आपको डाइट और एक्सरसाइज का खास ध्यान रखना चाहिए। कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए आप प्रोटीन डाइट की हेल्प ले सकते हैं। प्रोटीन से भरपूर चीजों के सेवन से आपको कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं अप किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

- प्रोटीन रिच फूड्स कम करेंगे बैड कोलेस्ट्रॉल
- दाल और बीन्स- मूंग दाल, तूर दाल, चना दाल, मसूर दाल
- मछली- सार्डिन मछली, मैकरेल फिश, सालमन फिश, ट्राउट फिश
- मांस- चिकन (स्किन निकालकर) और टर्की
- अंडे- अंडे का सिर्फ सफेद हिस्सा
- दही और पनीर- पनीर (लो फैट या स्किम पनीर) और ग्रीक योगर्ट (सुखा योगर्ट)
- ड्राई फ्रूट्स- काजू, बादाम
- सोया प्रोडक्ट्स- टोफू और सोया मिल्क
- अनाज और अनाजवाले उत्पाद- ओट्स, ब्राउन राइस, ब्राउन ब्रेडम किनुआ

दादा रूप में विराजमान श्री हनुमान जी महाराज

सागर में हनुमान प्रकटोत्सव मनाए जाने की परम्परा यहीं से शुरू हुई

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | श्री देव दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर जय दादा दरबार सागर शहर के मध्य में स्थित श्री हनुमान जी महाराज का एक प्रसिद्ध मंदिर है जो श्रद्धा और आस्था का केन्द्र है। यहाँ हनुमान जी दादा स्वरूप में प्रतिष्ठित हैं। दादा शब्द की व्याख्या एक श्रेष्ठ, ज्येष्ठ के रूप में संस्कृति एवं परम्परा में मानी जाती है। दादा परिवार के बुजुर्ग, तो कहीं बड़े भाई, तो कहीं आस्था के प्रतीक के तौर पर सच्चे मित्र माने जाते हैं। इसी स्वरूप को साकार करते श्री हनुमान जी दक्षिण मुखी स्वयं प्रकट देव के तौर पर जय दादा दरबार में प्रतिष्ठित हैं। यहाँ बजरंगबली का विग्रह अभय मुद्राधारी है जो भक्तों को आशीर्वाद देने की मुद्रा कहलाती है।

पं. महेश पाण्डेय ने बताया कि ऐसे विग्रहों का निर्माण पत्रिका कल्याण के श्री हनुमान अंक के आधार पर 9 से 10वीं शताब्दी का माना जाता है। फिर भी यह तय है कि 300 वर्ष से ज्यादा प्राचीन है दादा की विग्रह मूर्ति। दक्षिण दिशा यमराज की होती है और उस दिशा को मुख कर विराजे बजरंग बली की पूजा से मनुष्य डर, चिंता और कष्टों से मुक्ति प्राप्त करता है। दक्षिण मुखी हनुमान बुरी शक्तियों के प्रकोप और अला बलाओं से रक्षा करने वाले माने जाते हैं और दादा दरबार मंदिर के भक्तों को भी ये कवच हनुमान जी की साक्षात् उपस्थिति से प्राप्त होता है।

सागर में यह मान्यता है कि जिस किसी व्यक्ति को गृह बाधा, दुःख, ऊपरी बाधाएँ, आर्थिक परेशानी हो तो वह व्यक्ति मंगलवार, शनिवार दादा दरबार में हाजिरी लगाए तो समस्त बाधाएँ तकलीफें दूर होती हैं और शांति मिलती है। इसका प्रमाण है कि दादा दरबार में हाजिरी लगाने देश के कोने-कोने से व्यक्ति सागर आते हैं। पी.टी.सी. ग्राउण्ड के एक कोने में स्थित मंदिर में सन् 1992 तक एक छोटी सी मढ़िया हुआ करती थी।

पं. जय गोपाल तिवारी और पं. महेश प्रसाद पाण्डेय के संयोजन में मंदिर जीर्णोद्धार का कार्य जब प्रारंभ हुआ तो शहर के लोगों ने मुक्त हस्त से दान और सेवा मंदिर हेतु करी। 1994 में इसका विकसित स्वरूप सामने आया और तब से लगातार मंदिर का विस्तार कार्य चल रहा है। दरबार में सवा लाख बेलपत्र अर्पण, दो लाख से ज्यादा श्री किष्किंधा काण्ड पाठ, दो लाख इक्यावन हजार रामरक्षास्तोत्र पाठ, सवा लाख श्री सुंदरकाण्ड पाठ जैसे आयोजनों के साथ अखण्ड रामचरितमानस पाठ, श्रीमद्भागवत महापुराण आदि अनेक ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन हुए हैं।

सन् 2006 में मंदिर में श्रीराम दरबार, माता सरस्वती एवं श्री बटुक भैरव देव की स्थापना की गई। इस दरबार में एक कोने में एक पंचवृक्ष चबूतरा है जहाँ एक साथ पाँच वृक्ष लगे हुए हैं जो एक दुर्लभ पायी जाने वाली स्थिति है। वर्तमान में दादा दरबार में सवा करोड श्री हनुमान चालीसा पाठ का विशेष अनुष्ठान चल रहा है, जिसमें भक्तों द्वारा अभी तक लगभग 42 लाख चालीसा पाठ श्री दादा की सेवा में सुनाकर गणना रजिस्टर में दर्ज किए जा चुके हैं। दरबार में पितरों की शांति हेतु पितृ मोक्ष अमावस्या पर प्रतिवर्ष विशेष दीपदान का आयोजन किया जाता है। 2023 में पितरों की स्मृति में 1387 दीप प्रज्वलित किये गये। प्रति शनिवार पीपल वृक्ष के नीचे 108 दीप भक्तों द्वारा प्रज्वलित किए जाते हैं। प्रतिदिन सायंकाल आरती पश्चात् 20 मिनिट कीर्तन सेवा मंडल सदस्य करते हैं। यह क्रम अनवरत 30 वर्षों से चल रहा है।

1994 से मंगलवार, शनिवार दादा दरबार में हाजिरी का सौभाग्य प्राप्त दादा दरबार मानस मंडल के पं. नितिन कोरपाल ने बताया कि दादा के चमत्कारों का उन्हें साक्षात् अनुभव है। अब तक लाखों लोगों की मनोकामनाओं को श्री दादा ने पूर्ण किया है। मंदिर के गर्भगृह के पीछे लगे 300 वर्ष से भी प्राचीन वट वृक्ष पर मनोकामना पूर्ण होने पर हजारों की संख्या में घंटे भक्तों द्वारा चढ़ाए गये हैं। आषाढ़ मास के मंगलवार पर यहाँ प्रतिवर्ष हजारों लोग ध्वजा चोला आदि चढ़ाते हैं तथा इच्छित वर की कामना करते हैं। अनेक लोग प्रतियोगी परीक्षाओं में, तो व्यापार आदि में दादा के आशीर्वाद से ही सफलता प्राप्त किए हैं।

पं. नितिन कोरपाल ने बताया कि सन् 2000 से प्रतिदिन दरबार में दर्शनों का सौभाग्य उन्हें मिला है। ये सब दादा की कृपा से ही संभव है कि तमाम व्यस्तताओं के बावजूद उनकी हाजिरी नित्य लग जाती है। दरबार में सागर में अब तक पधारे तमाम बड़े संत महंतों ने हाजिरी लगाकर श्री दादा की आरती सेवा करी है। दादा के नाम पर मानस मंडल श्री हनुमान प्रकटोत्सव पर छह वर्षों से पाँच सौ किलो से ज्यादा खीर प्रसादी के रूप में वितरण कर रहा है। 22 जनवरी 2024 को श्री रामलला विराजमान के शुभ अवसर पर भक्तवृंदों द्वारा दोपहर से श्रीअरण्य, किष्किंधा एवं सुंदरकाण्ड का संगीतमय पाठ, श्री रामधुन संकीर्तन, 14000 से ज्यादा दीप प्रज्वलित करते हुए 56 भोग श्री रामलला की सेवा में अर्पित किये।

29-31 जनवरी 2025 को दरबार में भोलेनाथ की श्री गणेश जी, श्री कार्तिकेय जी, माता पार्वती एवं नंदी सहित देव धनेश्वर महादेव के रूप में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। वर्तमान में दादा दरबार में यातायात व्यवस्थित रखने के उद्देश्य से पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है।

श्री दादा दरबार के नाम पर एक विशेष उपलब्धि है। वह है सागर में श्री हनुमान प्रकटोत्सव धूमधाम से उत्सवपूर्वक मनाए जाने की परम्परा शुरू करना। लगभग 1994 से सागर में श्री हनुमान प्रकटोत्सव वृहद स्तर पर एक उत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने की परम्परा श्री जय दादा दरबार से ही प्रारंभ हुई थी। दादा दरबार के आयोजन के बाद ही नगर के हनुमान मंदिरों में प्रकटोत्सव पर विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रारंभ हुआ।

अनंत बलवंत श्री हनुमंत लालजी के प्रकटोत्सव पर प्रातः 5:00 बजे स्नान, अभिषेक एवं चोला अर्पण, 6:15 से मित्र मानस मण्डल द्वारा संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ, 7:45 पर आरती, 8:30 पर 56 भोग अर्पण, 9:15 पर बधाई बजेगी, दिन भर श्री हनुमान चालीसा महापाठ, 10:00 से हवन, 11:30 से प्रभु इच्छा तक खीर प्रसादी वितरण होगा। सायं 5:15 बजे से दादा दरबार मानस मण्डल द्वारा संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ एवं रामधुन, रात्रि 8:00 बजे से राधे-राधे संकीर्तन मण्डल की भजन संध्या का आयोजन तथा रात्रि 11:45 पर शयन आरती होगी। वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी की भूमि पर स्थित इस मंदिर के संचालन की व्यवस्था पुलिस अकादमी द्वारा पुजारियों के माध्यम से की जा रही है।

गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने, कलेक्टर की सराहनीय पहल

कलेक्ट्रेट परिसर में रखे सकोरे कलेक्टर की अपील- आप भी अपने घरों, प्रतिष्ठानों, दफ्तरों में पक्षियों के लिए रखें सकोरे

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | ग्रीष्म ऋतु में पक्षी भी पानी की तलाश में भटकते हैं, जिसे देखते हुए कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में मिट्टी के सकोरे रखे एवं पक्षियों के लिए पानी भरा। गर्मी का मौसम आते ही तपन बढ़ जाती है और अधिकांश नदी नाले भी सूख जाते हैं। इस स्थिति में बेजुबान पक्षी भी पानी की तलाश में भटकते हैं। जिसे देखते हुए कलेक्टर के द्वारा मिट्टी के सकोरे कलेक्ट्रेट परिसर में, पेड़ों पे टांगे हैं। उन्होंने लोगों से घरों, प्रतिष्ठानों एवं वृक्षों पर भी सकोरे लगाने की अपील की है। लोग मिट्टी के पात्र में प्रतिदिन पानी भरें, जिससे पक्षियों की भी प्यास बुझेगी और उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

इसके लिए जिले की सामाजिक संस्थाएं भी कार्य कर रही है। वृक्षों पर यह मिट्टी के पात्र यानी सकोरे लगाए गए हैं। कलेक्टर ने सभी से सहयोग की अपेक्षा की है। साथ ही लोगों से यह अपील भी की है कि आप सभी अपने घरों की छत पर या घर के आसपास लगे वृक्षों पर मिट्टी के सकोरे जरूर लगाएं और उसमें प्रतिदिन पानी भरते रहें।

सागर कलेक्टर की अभिनव पहल कलेक्टर ने परीक्षा के बाद और परिणाम से पूर्व होने वाले तनाव पर विद्यार्थियों से किया संवाद

तनाव मुक्त रखने के लिए बच्चों से अभिभावक, शिक्षक मित्रवत व्यवहार रखें, समय का विशेष प्रबंध करें तनाव दूर करने के लिए मित्र अवश्य बनाएं ---कलेक्टर श्री संदीप जी आर स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए आपकी हॉबी और फ्रेंड्स की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण --पुलिस अधीक्षक श्री शाहवाल

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | तनाव मुक्त रहने के लिए विद्यार्थियों से अभिभावक और शिक्षक मित्रवत व्यवहार रखें। सभी विद्यार्थी समय का विशेष प्रबंध करें, तनाव दूर करने के लिए मित्रो से बात साझा करें। उक्त विचार कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने अपने तरीके की पहली और अभिनव पहल करते हुए की। उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के परीक्षा परिणाम आने के पूर्व बच्चों को तनाव मुक्त रखने के लिए आज कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल के साथ छात्र-छात्राओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद जैन, जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश मिश्रा, बीईओ श्री मनोज तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए कहा कि आप परीक्षा के बाद परिणाम का तनाव न लें क्योंकि परीक्षा तो जिंदगी का हिस्सा हैं। आप जीवन के अलग-अलग पड़ाव में विभिन्न परीक्षाएं देते हैं अतः आप परीक्षा देते रहें और आगे बढ़ते रहें।

उन्होंने कहा कि असफलता अंत नहीं बल्कि शुरुआत है और असफलता ही सफलता के नये द्वार खोलती है। इसलिए हमें असफलता पर निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने गीता के श्लोक का जिक्र करते हुए कहा कि कर्म करते चलो फल की इच्छा मत करो, आपको कर्म के हिसाब से फल अवश्य मिलेगा।

उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि पढ़ने के साथ-साथ खेलना भी जरूरी है। खेलने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है, आप धूप में भी अवश्य खेले और भरपूर विटामिन डी लें। आप खेल में भी अपना करियर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी जागरूक बनें, और अपने आसपास हो रही घटनाओं, चीजों से लगातार सीखते रहे। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं-12वीं का परीक्षा परिणाम संभवत 8 मई को आएगा जिसमें आप सफल-असफल होते हैं तो आप निराश न हो। उन्होंने समस्त अभिभावकों व शिक्षकों से कहा कि आप लगातार अपने बच्चों की काउंसलिंग करते रहें और उनके मन की बात समझते रहें। उनसे मित्रवत व्यवहार रखें। आपका मित्र कोई भी हो सकता है आपके माता-पिता, शिक्षक, दोस्त, दादा, दादी, भाई-बहन, नाना-नानी, पुस्तक, डायरी कोई भी मित्र हो सकता है मित्र जरूर बनाएं। उन्होंने कहा कि अपने आप में आत्मविश्वास रखें।

पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल ने बच्चों से कहा कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए आपकी हॉबी और फ्रेंड्स की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आपकी हॉबी के माध्यम से आप स्ट्रेस मैनेजमेंट कर सकते हैं और स्ट्रेस दूर करने के लिए मित्र से स्ट्रेस के बारे में चर्चा की जा सकती है और उसे दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे तनाव मुक्त रहें और यदि आप किसी प्रकार के तनाव में है तो उसे शेयर अवश्य करें। क्योंकि तनाव को दूर किया जा सकता है किंतु तनाव को रखते हुए यदि कोई घटना होती है तो वह जिंदगी भर दूर नहीं की जा सकती।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद जैन ने कहा कि लक्ष्य को सदैव बड़ा रखें और उस पर ही काम करें। अपनी समस्याओं को दूसरों से शेयर करें विषय विशेषज्ञों से संपर्क रखें, प्रश्न भी अवश्य पूछें। श्री जैन ने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम सागर जिले में ही नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में पहला कार्यक्रम है जब कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने अभिभावक बनकर बच्चों से उनके तनाव के संबंध में चर्चा की और उनको दूर करने के प्रबंधन के संबंध में बताया।

जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि कलेक्टर श्री संदीप जी आर के द्वारा आज जो छात्र-छात्राओं से संवाद कार्यक्रम रखा गया यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश में पहला संवाद कार्यक्रम होगा जब आज कलेक्टर के द्वारा अभिभावकों की तरह सोचकर उनके तनाव को दूर करने की बात की।

इस अवसर पर सीएम राइस विद्यालय क्रमांक-1 सागर की कक्षा 12वीं की छात्रा अन्वी ठाकुर ने संवाद करते हुए कहा कि असफल होने पर क्या करना चाहिए ,क्या नहीं करना चाहिए, किसका सपोर्ट लेना चाहिए, किसका नहीं। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बड़े ही मार्मिक रूप से दोनों प्रश्नों के उत्तर दिए जिससे सभी बच्चे संतुष्ट हुए। उत्कृष्ट विद्यालय सागर की कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी कोमल गोस्वामी एवं कुमारी प्रांसी गोस्वामी ने, महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय क्रमांक 2 की छात्रा कुमारी निशा मकरानी, कुमारी प्रकृति वर्मा, कुमारी शरमीन खान, बेसिल स्कूल के छात्र श्री वरुण अरोड़ा, आर्मी पब्लिक स्कूल की छात्रा अपेक्षा गोस्वामी ने भी कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से संवाद किया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

संवाद कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय की मनोचिकित्सक डॉ. सोनू चौबे ने छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग की। प्राचार्य श्रीमती कल्पना शर्मा ने संवाद कार्यक्रम का संचालन किया एवं अपने विचार व्यक्त किये। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से कुमारी शालू शर्मा ने छात्र-छात्राओं को तनाव मुक्त रहने के लिए सुझाव दिए। इस अवसर पर जिला शिक्षा केंद्र के श्री पंकज शर्मा, अतिरिक्त परियोजना अधिकारी श्री यशवर्धन चौबे, श्री कमलेश चढ़ार सहित शिक्षक मौजूद थे।

तनाव मुक्त रहने के लिए आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में सीएम राईज शास. कन्या उमावि एमएलबी क्र 01 विखं सागर, शासकीय कन्या उमावि एमएलबी क्रमांक-2 विखं सागर, शासकीय उत्कृष्ट उमावि सागर, शास. बालक हाईस्कूल गोपालगंज, शासकीय हाईस्कूल काकागंज विखं सागर, शासकीय उमावि बाघराज तिली, शासकीय उमावि पुरानी सदर, शासकीय उमावि बरारु ,अशासकीय एमानुअल उमावि, अशासकीय सरस्वती शिशु मंदिर रमझिरिया विखं सागर, आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4,केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, टैगोर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पर्ल पब्लिक स्कूल, वात्सल्य स्कूल के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

राशन हितग्राहियों को 30 अप्रैल तक ई-केवायसी कराना अनिवार्यः खाद्य मंत्री राजपूत

» खाद्य मंत्री ने अफसरों को दिये निर्देश, कैंप लगाकर हितग्राहियों की ई-केवायसी करवाएं

» खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि अभियान के तहत हितग्राहियों की ई-केवायसी ग्रामवार एवं मुहल्लेवार कैंप लगाकर की जाये। ई केवायसी करने गठित दलों को ग्राम अथवा मोहल्ले की सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी करने के बाद ही अन्य ग्राम या मोहल्ले में कैंप आयोजित किये जाये।

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने राष्ट्रीय खाद्य, सुरक्षा अधिनियम के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर करने के निर्देश दिये हैं। श्री राजपूत ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत 543.31 लाख पात्र हितग्राहियों में से शेष 108.27 लाख हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश भारत सरकार द्वारा प्राप्त हुए हैं। समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी न होने पर हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। इसलिये समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

श्री राजपूत ने बताया कि इसी तारतम्य में 9 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रदेश में ई-केवायसी कराने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विशेष अभियान के तहत ई-केवायसी से शेष रह गये सभी पात्र हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय, जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध कराई गयी है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के स्थानीय अमले का सहयोग लिया जा रहा है।

कैंप लगाकर करायी जाएगी ई-केवायसी :

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि अभियान के तहत हितग्राहियों की ई-केवायसी ग्रामवार एवं मुहल्लेवार कैंप लगाकर की जाये। ई केवायसी करने गठित दलों को ग्राम अथवा मोहल्ले की सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी करने के बाद ही अन्य ग्राम या मोहल्ले में कैंप आयोजित किये जाये। ई-केवायसी के दौरान परिवार के किसी सदस्य की मुत्यु होने, स्थायी रूप से प्रवास पर जाने एवं डुप्लीकेट होने पर एम राशन मित्र पोर्टल पर स्थानीय निकाय के लॉगिन से विलोपन हेतु प्रविष्टि की जाएगी।

सभी संभागायुक्त एवं कलेक्टर्स को जारी हुये निर्देश :

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत शामिल पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी 9 से 30 अप्रैल तक जिलावार पूर्ण कराने के लिये खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने समस्त संभागायुक्त एवं कलेक्टर्स को ई-केवायसी कार्य को गंभीरता से तिथिवार पूर्ण कराने के निर्देश जारी किये हैं। श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने कहा है कि ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों की संख्या के अनुसार जिलों हेतु निर्धारित दैनिक लक्ष्य के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में शत्-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी पूर्ण कराये जाये। उन्होंने अफसरों को ई-केवायसी कार्य के जागरूकता के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये हैं।

रुपया पैसे से कभी बुद्धि एवं विद्या खरीदी नहीं जा सकती है - गोपाल भार्गव

फास्टर पब्लिक स्कूल गढ़ाकोटा का वार्षिकोत्सव आयोजन संपन्न

• सागर, प्रतिनिधि

गढ़ाकोटा श्रीराम साहू | जिला सागर के नगर गढ़ाकोटा के मध्य में स्थित शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों से सफलता पूर्वक संचालित फास्टर पब्लिक स्कूल गढ़ाकोटा का प्रतिवर्षानुसार वार्षिकोत्सव आयोजन संपन्न हुआ। जिसने मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व वरिष्ठ केबिनेट मंत्री एवं रहली विधान सभा के वर्तमान विधायक भैया गोपाल भार्गव, विशिष्ठ अतिथि भैया मनोज तिवारी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गढ़ाकोटा, सुरेश कपस्या अध्यक्ष जनपद पंचायत रहली , समाजसेवी रामकिशन सोनी, इंद्रजीत सिंह, नीलेश दुबे एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहें। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक युवा समाजसेवी वरुण सोनी ने सभी अतिथियों का शाल श्रीफल, पुष्पहार एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भैया गोपाल भार्गव ने कहा कि आज का समय बहुत ही बदल गया है छोटे छोटे बच्चों को मोबाइल इंटरनेट और टेलीविजन की लत लग गईं है जिसके दुष्परिणाम सबके सामने आते जा रहे है। हम सबको मिलकर कोशिश करना होगी कि बच्चे मोबाइल से दूर रहे। और इस समय तो बच्चे सबेरे घूमने भी जाते हैं तो हाथ में मोबाइल होता है। एक बात और आजकल अभिभावक बड़े खर्चे वाले स्कूल के पीछे अंधे होकर दौड़ रहे हैं जबकि उन बड़े स्कूल की बिल्डिंग, सुविधा, और स्टैंडर्ड भले बड़े से बड़ा हो पर शिक्षा के मामले में जब प्रवीण सूची निकलती हैं तो छोटे स्कूलों के बच्चे बाजी मारते हैं यहां तक शासकीय विद्यालयों , ग्रामीण विद्यालयों से पड़े लिखे बच्चे सबसे आगे होते है। माता पिता को भी अपने बच्चों के शिक्षा पर ध्यान देना होगा समय देना होगा जब जाकर वो अच्छे संस्कार प्राप्त कर पाएंगे। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र से बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शिक्षक जितेंद्र सिंह राजपूत, डॉक्टर सुयश सिंघई, डॉक्टर दीपक जैन, अक्षय चौरसिया, पत्रकार विवेक साहू, पत्रकार श्रीराम साहू एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहें । विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने बहुत ही मेहनत से तैयार किए गए सांस्कृतिक आयोजन की मनोरम प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया। सभी नागरिक,अतिथि, अभिभावक ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। सभी को पुरस्कार उपहार वितरण किए गए।

जल संरक्षण में आदर्श बना ग्राम पंचायत बड़कुआ

» सरकार की योजनाओं से बदलाव की शुरुआत

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सरकार की योजनाएं तब सबसे ज्यादा प्रभावशाली होती हैं, जब उनमें जनता की भागीदारी और प्रशासनिक समर्पण हो इसका उत्कृष्ट उदाहरण है ग्राम बड़कुआ।

सागर जिले की ग्राम पंचायत बड़कुआ के निवासी श्री भूपेन्द्र सिंह बताते है कि हमारी ग्राम पंचायत लंबे समय तक गंभीर जल संकट से जूझती रही। यहां पीने के पानी की भी भारी कमी थी। गांव के लोगों ने 400-500 फुट गहरे बोरवेल करवाए, लेकिन पानी उपलब्ध नहीं हो पाया। यह स्थिति न केवल ग्रामीणों के लिए जटिल समस्या थी।

सरकार की योजनाओं से बदलाव की शुरुआत - मध्यप्रदेश शासन की प्राथमिकता में जल संरक्षण सदैव एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। ग्राम बड़कुआ में "मनरेगा", "जल जीवन मिशन" और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ। जिसके तहत मनरेगा के माध्यम से गांव के एक नाले पर चेक डेम का निर्माण कराया गया, जिससे वर्षाजल का संग्रहण संभव हुआ और गिरते जलस्तर को रोका गया। श्री भूपेन्द्र सिंह बताते है कि जनपद सीईओ के मार्गदर्शन, ग्रामवासियों की सहभागिता, और अधिकारियों की निगरानी के चलते तालाब निर्माण कराया गया जिससे कुओं का जलस्तर बढ़ा और ग्रामीणों को सिंचाई तथा पीने के पानी की सुविधा प्राप्त हुई। खेत तालाब योजना के अंतर्गत कुओं के पास तालाब बनाए गए जिससे लोगों को पेयजल उपलब्ध हो। जल संरक्षण के इन प्रयासों से गांव में 2-4 कुएं ऐसे है जिनके आजू-बाजू तालाबों है जिससे कुओं का जलस्तर भी बढ़ गया है। आज के गांव के लिए पेय जल और सिंचाई के लिए जल उपलब्ध है।

पार्थ योजना के प्रशिक्षण अब 1 मई से शुरू

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | खेल और युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा संचालित 'पार्थ योजना 2025' के अंतर्गत युवाओं को सेना और पुलिस में भर्ती के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। पहले इस योजना का क्रियान्वयन 15 अप्रैल 2025 से किया जाना था, लेकिन अब इसमें संशोधन किया गया है। नवीन मार्गदर्शिका के अनुसार, अब पार्थ योजना का प्रशिक्षण 1 मई 2025 से प्रारंभ होगा। इस योजना के अंतर्गत युवाओं को भर्ती परीक्षाओं के लिए विशेष तैयारी कराई जाएगी। सागर जिले के इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए खेल और युवा कल्याण विभाग, खेल परिसर, सागर में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698